Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-12 16-30 जून, 2022 (पाक्षिक) ₹20

'झारखंड में बदलाव की जरूरत है'

8 वर्ष
सेवा, सुशासन
और
गरीब कल्याण

विकासवाद की जीत की अविरल यात्रा

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 11वीं किस्त जारी

दुनिया को राह दिखाता नया भारत

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में प्रदेश कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

रांची (झारखंड) में नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन और 6 जिला भाजपा कार्यालयों का शिलान्यास करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

रानीताल (मध्य प्रदेश) में 'यूथ कनेक्ट' कार्यक्रम के दौरान जनाभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 'महाराणा: सहस्त्र वर्षों का धर्मयुद्ध' पुस्तक का विमोचन करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के कोर ग्रुप, पदाधिकारियों, जिला और मोर्चा अध्यक्षों के साथ बैठक करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

पटना (बिहार) में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के साथ 15 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शुभारंभ करते केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 8 वर्षों की यह यात्रा विकासवाद की जीत की अविरल यात्रा है : जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30 मई, 2022 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय...

09 'पार्टी कार्यकर्ता हमारी विचारधारा को नीचे तक पहुंचाने वाले बहुत बड़े उपकरण हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 1 जून, 2022 को मोतीलाल...

11 'झारखंड में बदलाव की जरूरत है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 5 जून, 2022 को रांची, झारखंड के मोरहाबादी मैदान में आयोजित 'धरती आबा भगवान बिरसा...

24 प्रधानमंत्री ने 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की 1406 परियोजनाओं का किया शिलान्यास'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तीन जून को लखनऊ में यूपी निवेशक शिखर सम्मेलन @3.0 के...

26 'क्वाड शिखर सम्मेलन' में भारत की सक्रिय व सफल भागीदारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा के आमंत्रण...

वैचारिकी

समष्टि का सामूहिक स्वरूप / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 18

श्रद्धांजलि

प्रखर देशभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी 19

विशेष लेख

सेवा और गरीब कल्याण के आठ वर्ष / **जगत प्रकाश नड्डा** 20

दुनिया को राह दिखाता नया भारत / **अमित शाह** 22

अन्य

'टीएमसी की नीति करप्शन और कमीशन का मिशन है' 13

'बूथ मजबूत होगा तो पार्टी मजबूत होगी' 14

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद में 8.7 प्रतिशत की भारी वृद्धि 15

130 करोड़ भारतीय मेरा परिवारः नरेन्द्र मोदी 25

गरीब कल्याण की उपलब्धि हमारा लक्ष्यः नरेन्द्र मोदी 28

शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मलेन, विजयवाड़ा (आंध्रप्रदेश) 29

आज हम टेक्नोलॉजी को सबसे पहले आम लोगों को उपलब्ध करा रहे हैंः नरेन्द्र मोदी 30

संकट की इस घड़ी में 'मां भारती' आप सभी बच्चों के साथ हैंः नरेन्द्र मोदी 31

'मिशन लाइफ अतीत से सीखता है, वर्तमान में संचालित होता है और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करता है' 32

मन की बात 33

राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान का शुभारंभ 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

जन-जन का स्वस्थ जीवन न्यू इंडिया का दृढ़ संकल्प है। आयुष्मान भारत से लेकर जन औषधि केंद्र तक और मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर मुफ्त टीकाकरण तक देश ने जो राह तय की है, वो आज पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बनी है।

जगत प्रकाश नड्डा

हमारा अस्तित्व बिना कमल के निशान के नहीं है, कमल है तो हम हैं, कमल है तो पार्टी है, कमल है तो विचारधारा है।

अमित शाह

आत्मनिर्भर भारत तभी बन सकता है जब हम ग्रामीण विकास को गति देकर देश के अर्थतंत्र में इसके कॉन्ट्रिब्यूशन को बढ़ाएंगे और ग्रामीण विकास के माध्यम से गांव में रहते हुए हर गरीब को समृद्धि की ओर ले जाएंगे।

राजनाथ सिंह

डिफेंस लाइन ऑफ क्रेडिट कार्यक्रम के तहत भारत में एल एंड टी शिपयार्ड में पांच और वियतनाम में हांग हा शिपयार्ड में सात नावों का निर्माण किया गया था। मुझे विश्वास है कि इस कार्यक्रम की सफलता, भारत एवं वियतनाम के बीच रक्षा परियोजनाओं के लिए एक अग्रदूत साबित होगी।

बी.एल. संतोष

सुरक्षित वातावरण से लेकर सशक्तीकरण तक, अवसरों से लेकर मान्यता तक, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रशासन में पिछले 8 वर्षों के दौरान महिलाओं ने समाज में अपनी स्थिति में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है।

नितिन गडकरी

देश की नारीशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने और देश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पिछले 8 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं शौचालय, एलपीजी जैसी आधारभूत ज़रूरतों को पूरा किया जा रहा है।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
भगवान जगन्नाथ रथयात्रा (01 जुलाई)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

अद्भुत उपलब्धियों से भरे पिछले आठ साल

भारत की पिछले आठ वर्षों की यात्रा हर स्तर पर अद्भुत उपलब्धियों, व्यापक परिवर्तनों एवं अविस्मरणीय कार्यों से भरी हुई है। आज भारत जबरदस्त आत्मविश्वास से भरकर वैश्विक स्तर पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में उभरा है। चाहे वह कोविड-19 वैश्विक महामारी का दौर हो, किसी भी देश पर कोई प्राकृतिक आपदा हो या कहीं युद्ध ही हो रहा हो, भारत हर देश के साथ उसके संकटकाल में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। जिस प्रकार से भारत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अन्य देशों की सहायता की, उसकी सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है। 'मेड इन इंडिया' टीके कई देशों के लिए वरदान सिद्ध हुए हैं और यहां तक कि इस दौर में अमेरिका जैसे विकसित देश को भी समय पर दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। आज जब पूरा विश्व इस महामारी के साये से बाहर निकलने के लिए प्रयासरत है, भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 8.7 प्रतिशत विकास दर प्राप्त कर विश्व की सबसे तेज गति की प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने में सफलता प्राप्त की है। इसके साथ ही इसने भारी मात्रा में विदेशी निवेश अपनी ओर आकर्षित किया है तथा निर्यात में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ये सब 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत उठाए गए कदमों के परिणाम हैं, जिससे हर चुनौती को अवसर में परिवर्तित किया जा सका।

> **जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार को गरीब, शोषित, पीड़ित एवं वंचित वर्गों के कल्याण तथा महिला एवं युवा सशक्तीकरण पर बल देते हुए केंद्रित किया, अनेक अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से इन वर्गों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया**

कांग्रेसनीत यूपीए के कुशासन, भ्रष्टाचार, घपलों एवं घोटालों को देश आज भी भूला नहीं है। यह वह दौर था जब हर दिन कोई न कोई घोटाला समाचार-पत्रों की सुर्खियां बना रहता था और 'पॉलिसी पैरालिसिस' जैसे शब्द सरकार के शब्दकोश की पहचान बन गए थे। एक दिशाहीन एवं नेतृत्वविहीन सरकार केंद्र में थी। पूरे देश में निराशा एवं हताशा का वातावरण था। ऐसे समय में पूरे देश ने श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में भारी जनादेश दिया। आज, आठ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने नित नई ऊंचाइयों को छुआ है। देश सुशासन एवं विकास के रास्ते पर 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' के नए मानदंडों को स्थापित कर तीव्र गति से आगे चल पड़ा है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संकल्प सिद्ध हो रहा है तथा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास' का मंत्र हर किसी को राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में योगदान करने को प्रेरित कर रहा है। पूरे देश ने एक बड़ी करवट ली है। प्रदेश दर प्रदेश भाजपा को जनादेश मिला है तथा 2019 के आम चुनावों में देश की जनता ने 2014 से भी बड़ा आशीर्वाद भाजपा को दिया है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण राष्ट्र अपने विराट लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ा चुका है।

जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार को गरीब, शोषित, पीड़ित एवं वंचित वर्गों के कल्याण तथा महिला एवं युवा सशक्तीकरण पर बल देते हुए केंद्रित किया, अनेक अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से इन वर्गों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया। इन जनकल्याण कार्यक्रमों के केंद्र में ग्रामीण जीवन, कृषि, किसानों एवं मजदूरों को रखकर उन्हें राष्ट्र की विकास यात्रा का सहभागी बनाया गया। कोविड-19 महामारी के दौर में भी 'गरीब कल्याण अन्न योजना' शुरू कर गरीब से गरीब के लिए भी भोजन सुनिश्चित किया गया। साथ ही महिला, दिव्यांग, विशिष्ट नागरिकों एवं प्रवासी मजदूरों को विशेष सहायता उपलब्ध कराई गई। एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही की 'मेड इन इंडिया' टीका हर नागरिक कि निःशुल्क उपलब्ध कराया गया, जिससे महामारी पर नियंत्रण मिलने में सफलता मिली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं संकल्पित नेतृत्व में देश ने हर चुनौती का समाधान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। गरीब से गरीब व्यक्ति के कल्याण से लेकर हर क्षेत्र में पूरे आत्मविश्वास एवं मजबूती से उभरते भारत का चित्र— चाहे वह कृषि का क्षेत्र हों, अक्षय ऊर्जा का क्षेत्र हो, जलवायु परिवर्तन का क्षेत्र हो, स्टार्ट अप्स, रक्षा या अंतरिक्ष का क्षेत्र हो— भारत हर ओर अपनी एक मजबूत स्थिति दर्ज करने में सक्षम हुआ है। आज जब 'आत्मनिर्भर भारत' का पथ प्रशस्त हो रहा है, एक नया भारत उभर रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

8 वर्षों की यह यात्रा विकासवाद की जीत की अविरल यात्रा है : जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30 मई, 2022 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस-वार्ता को संबोधित किया और विगत 8 वर्षों में देश के हर क्षेत्र में हुई प्रगति की अनंत यात्रा को रेखांकित किया। प्रेस वार्ता में श्री नड्डा के साथ-साथ केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सर्वश्री अरुण सिंह, तरुण चुग एवं सी.टी. रवि, राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख श्री अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ. संजय मयूख भी उपस्थित थे।

विकास-गीत का लोकार्पण

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 सफल वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक विकास-गीत बनाया गया है। श्री नड्डा ने बटन दबाकर इस गीत का लोकार्पण किया। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने पर 'नमो एप' पर 8 साल की विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए एक स्पेशल मॉड्यूल जोड़ा गया है। श्री नड्डा ने 'नमो एप'पर लिंक को क्लिक कर 8 साल की विकास यात्रा के मॉड्यूल का भी लोकार्पण किया। प्रेस-वार्ता के पश्चात् श्री नड्डा ने पत्रकार बंधुओं के साथ अनौपचारिक चर्चा भी की। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे।

मोदी हैं तो मुमकिन है

श्री नड्डा ने पत्रकार-वार्ता की शुरुआत करते हुए कहा कि आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के 8 सफल वर्ष पूरे हो रहे हैं। 8 वर्षों की यह यात्रा जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के दंश से ग्रसित देश की राजनीति पर विकासवाद की जीत की अविरल यात्रा है। यह देश के लोकतंत्र को मजबूती देते हुए गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं एवं समाज में हाशिये पर खड़े हर व्यक्ति के सशक्तीकरण एवं उनके जीवन में उत्थान लाने की यात्रा है। पहले देश में एक सामान्य सोच थी कि 'इस देश का कुछ भी नहीं हो सकता।' अब आम जनमानस में यह धारणा बनी है कि मोदी हैं तो मुमकिन है। 8 साल की यह यात्रा देश की सोच को बदलने की यात्रा है। 8 वर्ष की ये यात्रा आत्मनिर्भर भारत की "संकल्प से सिद्धि" के रहे हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' देश का रास्ता भी है और संकल्प भी।

श्री नड्डा ने कहा कि पहले योजनाएं कागज़ पर ही बनती थीं, कागज़ पर ही इम्प्लीमेंट होती थीं और कागज़ पर ही कंप्लीट भी हो जाती थीं। आज जनता यह देख रही है कि जिस योजना का शिलान्यास होता है, वह योजना उसी कार्यकाल में पूरी भी होती है। बीते 8 वर्ष कागज़ से क्रियान्वयन और 'डिक्लेरेशन' से 'इम्प्लीमेंटेशन' की यात्रा के रहे हैं।

राजनीति की कार्यसंस्कृति बदली

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे मूल मंत्र रहे हैं— सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। हमारा लक्ष्य है अंत्योदय। हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा, महिलाओं एवं किसानों के जीवन में उत्थान लाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की राजनीति की कार्यसंस्कृति बदल दी है। 8 वर्षों में सरकार के कार्य करने की शैली भी बदली है। उन्होंने देश को पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति से निकालकर प्रो-रेस्पोंसिव और प्रो-एक्टिव सरकार का

मॉड्यूल स्थापित किया है।

गरीबी घटी

श्री नड्डा ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में देश की गरीबी 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है। अत्यंत गरीबी की दर 1 प्रतिशत से भी कम 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। पिछले 8 वर्षों में देश की प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ विदेशी मुद्रा भंडार भी लगभग दोगुना हुआ है। आजादी के 70 साल में देश में जितने प्राथमिक विद्यालय बने, लगभग उतने विद्यालय केवल पिछले 8 साल में बने हैं। देश में खाद्यान्न उत्पादन लगातार नया रिकार्ड बना रहा है। 2012-13 में देश में खाद्यान्न का उत्पादन 255 मिलियन टन था जो 2021 में बढ़कर 316.06 मिलियन टन हो गया है। यह आजादी के बाद अब तक का रिकॉर्ड उत्पादन है।

अर्थव्यवस्था तीन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंची

श्री नड्डा ने कहा कि कोविड जनित मंदी के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में 418 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात हुआ। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दस महीने में भारत के कृषि निर्यात में भी 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कांग्रेस की यूपीए सरकार की तुलना में कृषि बजट भी लगभग 6 गुना बढ़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में जितना निवेश आया है, वह कांग्रेस की यूपीए सरकार के 10 वर्षों में एफडीआई के मुकाबले लगभग 65 प्रतिशत ज्यादा है। ईज ऑफ डूइंग बिजेनस की रैंकिंग में भारत ने जबरदस्त छलांग लगाई है। अब भारत नया कारोबार आसानी से शुरू करने के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल हो गया है। हमारी अर्थव्यवस्था तीन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। हम जल्द ही प्रधानमंत्रीजी के देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। अब भारत ईज ऑफ लिविंग पर जोर दे रहा है। खादी के विकास के लिए आजादी के 70 सालों तक कोई काम नहीं हुआ। प्रधानमंत्रीजी के आह्वान के बाद पहली बार खादी उत्पादों ने एक साल में 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया है। तमाम अंतरराष्ट्रीय आर्थिक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास दर को सबसे आगे रखा है।

पिछले 8 वर्षों में देश की गरीबी 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है। अत्यंत गरीबी की दर 1 प्रतिशत से भी कम 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। पिछले 8 वर्षों में देश की प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ विदेशी मुद्रा भंडार भी लगभग दोगुना हुआ है

80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 8 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए जितने काम हुए, उतने आजादी के 70 सालों में भी न हुए। पिछले दो वर्षों से मोदी सरकार 3.40 लाख करोड़ रुपये की लागत से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक जरूरी राशन मुफ्त पहुंचा रही है। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न वितरण योजना है। मोदी सरकार के इस कदम की पूरे विश्व ने भूरि-भूरि सराहना की है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के लगभग 12 करोड़ किसानों को 10 किस्तों में अब तक लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कल ही शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से किसानों को किसान सम्मान निधि की 11वीं क़िस्त प्रदान करने वाले हैं।

योजनाओं से लाभ

श्री नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत के रूप में देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को सालाना 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। अब तक तीन करोड़ से अधिक लोग लाभ ले चुके हैं जिस पर लगभग 23 हजार करोड़ रुपये का खर्च आया है। हर गांव बिजली पहुंचाने के बाद मोदी सरकार ने हर घर तक बिजली पहुंचाने का बीड़ा हाथ में लिया है। सौभाग्य योजना के तहत अब तक 2 करोड़ 81 लाख से अधिक घरों में बिजली पहुंचाई जा चुकी है। इसी तरह जल जीवन मिशन के तहत श्री नरेन्द्र मोदी सरकार अब तक 9 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचा चुकी है। महिलाओं को सम्मान के साथ अधिकार देते हुए स्वच्छ भारत अभियान के तहत हमारी सरकार ने लगभग 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक लगभग 2.38 करोड़ से अधिक घर गरीबों के लिए बनाये जा चुके हैं। लगभग 6 लाख गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा चुका है। सीमावर्ती क्षेत्रों में भी लगभग 4,763 किमी सड़क का निर्माण किया गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने सेल्फ हेल्प ग्रुप्स, वर्किंग प्लेस पर सुरक्षा, सेना में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन, मुद्रा-लोन में प्राथमिकता, बेटी बचाओ— बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम समर्थ योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना इत्यादि योजनाओं से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि आज अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारत एक महाशक्ति के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। अब हम मिशन चंद्रयान और मिशन मंगलयान पर काम कर रहे हैं।

प्रगति को नया आयाम

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की महान सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए प्रगति को नया आयाम दिया है। योग और आयुर्वेद को दुनिया में प्रतिष्ठित करने में उनकी महती भूमिका है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है। भव्य काशी विश्वनाथ धाम और बाबा केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार हुआ है। साथ

ही, सोमनाथ, बद्री विशाल सहित भारतीय संस्कृति के हर तीर्थ-स्थलों का विकास पिछले 8 साल में हुआ है। रामायण सर्किट, महाभारत सर्किट और बुद्ध सर्किट का निर्माण हो रहा है। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेलजी के सम्मान में स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी स्थापित की गई है। जालियांवाला बाग़ स्मारक का पुनरुद्धार हुआ है, आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित जनजातीय संग्रहालय का निर्माण हुआ है और पहली बार नेशनल वॉर मेमोरियल भी स्थापित हुआ है। संविधान दिवस, सामाजिक समरसता दिवस, विभाजन विभीषिका दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, जनजातीय गौरव दिवस और योग दिवस की भी शुरुआत हुई है।

श्री नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले समस्याओं को ही नियति मान लिया गया था। देश की जनता ने तो यह सोचना ही छोड़ दिया था कि ये समस्याएं कभी ख़त्म भी हो सकती हैं लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी समस्याओं का स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान कर राष्ट्र को विकास की धारा के साथ जोड़ दिया। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 धाराशायी हुआ और सही मायनों में जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बनने का सपना हुआ पूरा। ट्रिपल तलाक से मुस्लिम महिलाओं को आजादी मिली। ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता मिली। वन रैंक, वन पेंशन और वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना लागू हुई। ऐतिहासिक श्रम सुधार क़ानून भी लागू हुआ।

पूर्वोत्तर में विकास के नए सूरज का उदय

पूर्वोत्तर में विगत 8 वर्षों में हुए विकास के विभिन्न आयामों से पत्रकारों का परिचय कराते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पूर्वोत्तर में विकास के नए सूरज का उदय हुआ है। पूर्वोत्तर में अलगाववाद व उग्रवाद पर रोक लगी है और वहां के लोगों को ब्लॉकेड से मुक्ति मिली है। नागालैंड शांति समझौता, एनएलएफटी त्रिपुरा समझौता, ब्रू-रियांग समझौता, बोडो शांति समझौता और कार्बी आंगलोंग समझौता से पूर्वोत्तर में शांति की राह बनी है। विगत 8 वर्षों में हमारे प्रधानमंत्रीजी ने लगभग 50 बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है। हर 15 दिन में कोई न कोई केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर के प्रवास पर होते हैं और विकास कार्यों का जायजा लेते हैं।

देश हित में विदेश नीति का रूपांतरण

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की विदेश नीति ने एक नया इतिहास रचा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विदेश नीति की सराहना होती है। पहली बार देश हित में विदेश नीति का रूपांतरण हुआ है। आज जब भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है। ईराक, यमन, अफगानिस्तान से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, भारत के बचाव और राहत अभियान की तो पूरी दुनिया कायल है। चाहे आतंकवाद का विषय हो, वैकल्पिक ऊर्जा का विषय हो, अंतरराष्ट्रीय सौर-ऊर्जा संगठन की बात हो, कार्बन उत्सर्जन का विषय हो, रूस-यूक्रेन युद्ध की बात हो, क्वाड हो या अमेरिका, फ्रांस, जापान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ-साथ पड़ोसी देश के साथ भारत के संबंध हो, हर अवसर पर भारत की विदेश नीति शानदार रही है। विदेश नीति में पड़ोसी देशों में प्राथमिकता दी गई है। हमारे प्रधानमंत्रीजी को अमेरिका, रूस सहित कई देशों के सर्वोच्च पुरस्कार एवं प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड प्रबंधन की भूरि-भूरि सराहना करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा से केवल 9 महीने में दो-दो स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण हुआ और इसका रोल-आउट भी सुनिश्चित हुआ। अब तक देश में 192 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर किये जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वैक्सीन मैत्री के तहत भारत ने दुनिया के लगभग 100 देशों को वैक्सीन की आपूर्ति भी की है। ■

नमो ऐप पर विशेष अभियान की शुरुआत

भारतीय जनता पार्टी ने 30 मई, 2022 को नमो ऐप पर करोड़ों युवाओं और नागरिकों तक पहुंचने के लिए '8 साल की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' नामक एक विशेष अभियान की शुरुआत की। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 8 वर्ष पूरे के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस-वार्ता को संबोधित करने से पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'नमो एप'पर लिंक को क्लिक कर इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का लोकार्पण किया। यह सेक्शन 8 साल की विकास यात्रा को रेखांकित रेखांकित करता है और आम नागरिकों का ज्ञानवर्धन भी करता है। नमो ऐप के इस विशेष प्लेटफॉर्म में बहुत सारे रचनात्मक क्रियाकलापों के साथ-साथ कई सूचनात्मक विशेषताएं भी हैं। युवाओं के लिए यह इंगेजिंग भी है, इंटरेस्टिंग भी, प्रोग्रेसिव भी और इनोवेटिव भी। इस प्लेटफॉर्म में वीडियो, ग्राफिक्स और आलेखों का एक बहुत समृद्ध संग्रह है जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा 8 वर्षों में किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण देता है। नमो एप के इस सेक्शन में गैमिफिकेशन के जरिये कई एक्टिविटीज को जोड़ा गया है जहां युवा भाग ले सकते हैं, अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकते हैं, पॉइंट्स के रूप में रिवार्ड पा सकते हैं और यहां तक कि मर्चेंडाइज भी जीत सकते हैं। वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हस्ताक्षरित पुस्तक मोदी@20 भी इसके माध्यम से पा सकते हैं। उन्हें देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ संवाद करने का अवसर भी मिल सकता है।

'टेक अ प्लेज', 'प्ले एंड लर्न', 'क्रिएट एंड शेयर', 'पीएम विजन', 'संपर्क से समर्थन' आदि जैसे कई और रोमांचक फीचर युवाओं और देश के नागरिकों को 'न्यू इंडिया' की उपलब्धियों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। 'टेक अ प्लेज' सेक्शन में संकल्प करके देश के आम नागरिक, श्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्र निर्माण की विभिन्न पहल के लिए अपना समर्थन दे सकते हैं। 'प्ले एंड लर्न' सेक्शन में नागरिक क्विज़ और इस तरह के अन्य रोमांचक कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं और इस प्रक्रिया के दौरान 8 वर्षों की अवधि में हुए भारत के विकास के विभिन्न आयामों के बारे में जान सकते हैं। एप पर नागरिक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्धरणों वाला एक ई-कार्ड भी बना सकते हैं और सोशल मीडिया पर इसे साझा भी कर सकते हैं। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की कहानियां वीडियो फॉर्मेट में देखी जा सकती हैं और नागरिक लाभार्थियों के साथ अपनी बातचीत के वीडियो भी अपलोड कर सकते हैं। ■

'पार्टी कार्यकर्ता हमारी विचारधारा को नीचे तक पहुंचाने वाले बहुत बड़े उपकरण हैं'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने मध्य प्रदेश में 1 से 3 जून, 2022 तक प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यसमिति बैठक एवं प्रेस-वार्ता को संबोधित करते हुए जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की, वहीं संगठनात्मक विषयों पर भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 1 जून, 2022 को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम (लाल परेड मैदान), भोपाल में भाजपा, मध्य प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया।

श्री नड्डा ने कहा कि हम सब संगठन के सूत्रधार, संगठन की आत्मा और संगठन की नींव रहे श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरेजी की जन्मशताब्दी मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता, पार्टी को जमीनी स्तर तक ले जाने वाले और हमारी विचारधारा को नीचे तक पहुंचाने वाले बहुत बड़े उपकरण हैं। आप याद करिए वो दिन जब हमारे पहली पीढ़ी के मनीषी सिर्फ जमानत बचाने की लड़ाई लड़ते थे। दूसरी पीढ़ी जमानत बचने पर लड्डू बांटकर खुशी मनाती थी। तीसरी पीढ़ी ये तय करती थी कि यदि हमारे कुछ एमएलए जीतकर आ गए, तो भाजपा का और जनसंघ के भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन चौथी पीढ़ी ने कहा कि हम सरकार नहीं, सरकारें बनाएंगे, हम एक नहीं अनेक सरकारें बनाएंगे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हम सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 साल बेमिसाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है। हम अपनी नीतियों और योजनाओं को सर्वस्पर्शी और समावेशी बनाएं, समाज के सभी वर्गों तक उसको पहुंचाने का काम करें। गांव, गरीब, शोषित, वंचित, दलित, पीड़ित, आदिवासी, महिला और युवाओं तक हमें पहुंचना है और उनका सशक्तीकरण करना है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि मध्य प्रदेश में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से समाज में सकारात्मक बदलाव आया है और लिंगानुपात बढ़ा है। 'नारी तू नारायणी' के तहत महिलाओं का सशक्तीकरण और इसके साथ-साथ उनकी हर तरीके से मदद करने के कार्य चलाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मातृवंदना कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश में लगभग 2.58 करोड़ महिलाओं को सहायता दी जा चुकी है।

श्री नड्डा ने कहा कि पहले मध्य प्रदेश एक बीमारु राज्य के रूप में जाना जाता था लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-निर्देशन में श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश को बीमारु राज्य की सूची से निकालते हुए विकास के पथ पर अग्रसर किया है। अब राज्य में योजनाएं कागज़ पर नहीं बंटीं बल्कि जमीन पर उसका कार्यान्वयन

होता है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 8 साल के कार्यकाल में भारत की गरीबी 12 प्रतिशत से अधिक घटी है। कांग्रेस की सरकार में जहां देश में गरीबी 22 प्रतिशत से अधिक थी, वह आज 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है। साथ ही, भारत में अत्यंत गरीबी की दर भी 1 प्रतिशत से नीचे 0.8 प्रतिशत पर बनी हुई है। राहुल गांधी लंदन में बैठकर बातें करते हैं उन्हें पता ही नहीं है कि आंकड़े क्या बोल रहे हैं। आज देश की प्रति व्यक्ति आय 79 हजार रुपये सालाना से बढ़ कर 1.50 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो गई है। मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1.24 लाख रुपये हो गई है। देश में आजादी से लेकर 2014 तक जितने प्राथमिक विद्यालय बने थे, लगभग उससे अधिक प्राथमिक विद्यालय विगत 8 वर्षों में देशभर में बने हैं। मोदी सरकार के 8 वर्षों में साक्षरता दर भी 6 प्रतिशत बढ़ी है। विगत 8 वर्षों में देश में 15 नए एम्स स्थापित किये गए। श्रद्धेय अटलजी की सरकार में 7 नए एम्स बने थे। मतलब यह कि देश के 22 एम्स में से 21 का निर्माण हमारी सरकार में हुआ। विगत 8 वर्षों में देश में 170 नए मेडिकल कॉलेज भी खुले हैं। मध्य प्रदेश में भी 17 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित हुए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में करने की पहल की है। 2014 में देश की जीडीपी लगभग 112.33 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गयी है। आज देश की अर्थव्यस्था तीन ट्रिलियन डॉलर की हो गयी है। ■

प्रेस-वार्ता

'मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में प्रतिष्ठित हुआ है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 1 जून, 2022 को प्रदेश भाजपा कार्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश) में आयोजित प्रेस-वार्ता को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी सरकार की 8 वर्ष की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रदेश भाजपा सरकार की जन-कल्याण नीतियों की भी भूरि-भूरि सराहना की। प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश के भाजपा प्रभारी श्री मुरलीधर राव, सह-प्रभारी पंकजा मुंडे, प्रदेश सरकार में गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा भी उपस्थित थे।

प्रेस-वार्ता को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हम इस वर्ष हमारे महान मनीषी, कुशल संगठक एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरेजी की जन्मशती 'संगठन पर्व' के रूप में मना रहे हैं। इसके तहत हमने जमीनी स्तर पर हर बूथ को मजबूत करने के लिए एक वृहद् योजना बनाई है।

श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की श्री शिवराज सिंह चौहान सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि एक समय मध्य प्रदेश 'बीमारु' प्रदेश के रूप में जाना जाता था, लेकिन भाजपा सरकार में मध्य प्रदेश अर्थव्यवस्था में देश के अग्रणी राज्यों में प्रतिष्ठित हुआ है। मध्य प्रदेश की जीडीपी अब 19.74 प्रतिशत पहुंची है। पहले मध्य प्रदेश की जीडीपी 967281 करोड़ रुपये थी, आज यह बढ़कर 11,69,004 करोड़ रुपये हो गयी है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़ कर 1.24 लाख रुपये सालाना हो गई है। आयुष्मान भारत के तहत राज्य में 2.87 करोड़ कार्ड निर्गत किये गए हैं। हमारी सरकार में मध्य प्रदेश में 17 नए मेडिकल कॉलेज बने हैं। अब प्रदेश में हिंदी भाषा में भी इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई का इनिशिएटिव लिया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में लगभग 79 लाख गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में लगभग 42 लाख आवास बने हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मध्य प्रदेश में लगभग 43.53 लाख मीट्रिक टन अनाज वितरित किये गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के लगभग 82 लाख किसानों को लाभ मिला है। केंद्र सरकार के 6,000 रुपये सालाना के अतिरिक्त राज्य के किसानों को हमारी शिवराज सरकार की ओर से 4,000 रुपये दिए जा रहे हैं। इस तरह मध्य प्रदेश में किसानों को सालाना 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। ■

'यूथ कनेक्ट' कार्यक्रम

'युवा देश के विकास में रीढ़ की हड्डी हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 जून, 2022 को रानीताल, मध्य प्रदेश के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में 'यूथ कनेक्ट' कार्यक्रम में युवाओं के साथ संवाद किया एवं उनसे राष्ट्र के पुनर्निर्माण में आगे बढ़कर अपना योगदान करने का आह्वान किया। यूथ कनेक्ट कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा, प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री मुरलीधर राव, राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री श्री शिव प्रकाश, केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद श्री राकेश सिंह, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री रोहित चहल युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पवार भी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की क्रांतिकारी भूमिका होती है। युवा देश के विकास में रीढ़ की हड्डी हैं। आदि शंकराचार्य ने 25 वर्ष की आयु में देश में अध्यात्म का नया अध्याय जोड़ा था। स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में ही भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से दुनिया का परिचय कराया था। देश के स्वातंत्र्य संग्राम को नया आयाम देने में नेताजी सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे युवा क्रांतिकारी का अनन्य योगदान था। 1977 में आपातकाल और लोकतंत्र की हत्यारी कांग्रेस सरकार के खिलाफ लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में युवाओं ने ही देश में परिवर्तन की लहर चलाई थी। 2014 में भी युवा ही थे जिन्होंने श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जातिवाद, परिवारवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का अंत किया था। आज युवा ही देश में परिवर्तन का उपकरण बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज इस मंच पर युवा मोर्चा के दो-दो पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उपस्थित हैं। मैं और शिवराजजी भाजपा की युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। देश में परिवर्तन का नाम युवा है, नई सोच और नई उमंग का नाम युवा है, समाज को बदलने की ताकत रखने वाले का नाम युवा है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने शुरू से ही युवाओं को वैश्विक स्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए मंच उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया है। केंद्र में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार आने से पहले केवल 65-70 स्टार्ट-अप थे, आज देश में लगभग 70,000 स्टार्ट-अप्स हैं। इसमें से 100 तो यूनिकॉर्न बन गए हैं। प्रधानमंत्रीजी युवाओं को जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रियेटर बनाना चाहते हैं। यही सोच हमारे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की भी है। मेक इन इंडिया ने भारत को नया रूप दिया है, फिट इंडिया मूवमेंट ने भारत की तस्वीर बदली और डिजिटल इंडिया ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। ■

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा विश्वास रैली

'झारखंड में बदलाव की जरूरत है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 5 जून, 2022 को रांची, झारखंड के मोरहाबादी मैदान में आयोजित 'धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा विश्वास रैली' को संबोधित किया और देश के स्वाधीनता संग्राम से लेकर देश के विकास में जनजातीय बंधुओं के योगदान की भूरि-भूरि सराहना की। इससे पहले बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची पहुंचने पर श्री नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात् उन्होंने बिरसा मुंडाजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। एयरपोर्ट पर श्री नड्डा का स्वागत भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रघुबर दास, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक प्रकाश, पूर्व मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल मरांडी और केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने किया।

मोरहाबादी मैदान पहुंचने पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचे पार्टी के कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं ने स्थानीय परंपरा के अनुसार भव्य स्वागत किया। आदिवासी पुरुषों और महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर नाच-गान, ढोल, मंजीरे की संगीत के साथ उनका झारखंड की धरती पर हार्दिक अभिनंदन किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस रैली में झारखंड के गांव-गांव से जनजातीय समुदाय के लगभग 50,000 आदिवासी बंधु उपस्थित थे। रैली स्थल के बाहर भी झारखंड की संस्कृति की झलक देखने को मिली।

भव्य 'धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा विश्वास रैली' को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आजादी के बाद सही मायनों में आदिवासी समाज की चिंता यदि किसी पार्टी ने की है तो वह है भारतीय जनता पार्टी। पहले श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी के नेतृत्व में और अब यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार आदिवासी बंधुओं के कल्याण के लिए समर्पित है।

श्री नड्डा ने कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी और पार्टी के नेता ही कह सकते हैं कि हमने आदिवासियों के लिए ये-ये काम किए हैं, क्योंकि हमने काम करके दिखाया है लेकिन आदिवासी बंधुओं के नाम पर राजनीति करने वाले कुछ राजनीतिक दल कुछ नहीं बोल सकते। वे बोलेंगे तो केवल यही बोलेंगे कि उन्होंने आदिवासियों को कैसे लूटा, कैसे उन्होंने आदिवासियों के साथ विश्वासघात किया। आज श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में आठ आदिवासी बंधु मंत्री हैं, 26 सांसद हैं, राज्य सभा में भी 8 सांसद हैं, भाजपा के 190 आदिवासी विधायक हैं, दो राज्यपाल हैं, एक डिप्टी सीएम हैं। क्या कभी किसी केंद्र सरकार में आज से पहले आदिवासी बंधुओं को इतना सम्मान मिला था? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से देश भर में जिस तरह से विकास की यात्रा शुरू हुई है, यह आदिवासी बंधुओं के आत्मगौरव व आत्मसम्मान का कालखंड है।

श्री नड्डा ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने उनकी जयंती 15 नवंबर को हर साल 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह दिन हमारे वीर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को समर्पित है, ताकि आने वाली पीढ़ियां देश के प्रति उनके बलिदानों के बारे में जान सकें। आजादी के 70 साल तक क्यों किसी ने जनजातीय गौरव दिवस मनाने के बारे में नहीं सोंचा? ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें आदिवासी बंधुओं के विकास की नहीं बल्कि अपने विकास की चिंता थी। आजादी की लड़ाई के दौरान भारतीय आदिवासियों

द्वारा किए गए बलिदानों के बारे में बात करने वाला कोई स्थान नहीं हैं। इसलिए भारत सरकार ने देश में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय खोलकर ऐसी साहसी आत्माओं को सम्मानित करने का फैसला किया है। देश के 10 राज्यों में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है है। भारतीय जनता पार्टी कई स्थानों पर भगवान् बिरसा मुंडा यात्रा निकलेगी और 28 राज्यों में गौरव अभियान भी आयोजित किये जायेंगे।

श्री नड्डा ने कहा कि 'प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना' के तहत आदिवासी बहुल 36,428 गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। जब झारखंड में भाजपा की श्री रघुबर दास सरकार थी, तब आदिवासी खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रो टर्फ बनाया गया। भगवान् बिरसा मुंडा स्टेडियम का भी निर्माण शुरू हुआ। जल-जीवन मिशन के तहत लगभग 9 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। इसमें से लगभग 1.30 करोड़ आदिवासी भाइयों के घर में भी नल से जल पहुंचा है। लगभग 90 लाख आदिवासी भाइयों को भी आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देशभर में लगभग 39 लाख मकान आदिवासी भाइयों के लिए स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 29 लाख बनकर तैयार हो चुके हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में जहां देश के लगभग 11 करोड़ किसानों को लाभ मिल रहा है, वहीं लगभग 12 लाख आदिवासी किसानों को भी इसका लाभ मिल रहा है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने पहली बार वन उत्पादों पर एमएसपी का लाभ दिया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ लोगों तक श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने मुफ्त आवश्यक राशन पहुंचाया है।

जल-जीवन मिशन के तहत लगभग 9 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। इसमें से लगभग 1.30 करोड़ आदिवासी भाइयों के घर में भी नल से जल पहुंचा है। लगभग 90 लाख आदिवासी भाइयों को भी आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देशभर में लगभग 39 लाख मकान आदिवासी भाइयों के लिए स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 29 लाख बनकर तैयार हो चुके हैं

झारखंड में हेमंत सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हम सेवा करते हैं, वे मेवा खाते हैं। हम गरीबों के सशक्तीकरण में लगे हुए हैं, वे कमीशन खाने में लगे हुए हैं, गरीबों का हक़ मारने में लगे हुए हैं। भ्रष्टाचार और हेमंत सोरेन एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। हेमंत सोरेन खुद सीएम हैं और उन्होंने खुद के नाम पर तथा अपने करीबियों के नाम पर खदान की लीज ली। हेमंत सरकार में नक्सलवादियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। झारखंड में नक्सली घटनाएं बढ़ी हैं। बहनें सुरक्षित नहीं हैं। आदिवासी बंधुओं के खिलाफ हमले हो रहे हैं। पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। 'अंधेर नगरी चौपट राजा — टका सेर भाजी टका सेर खाजा' वाली स्थिति झारखंड की हो गई है हेमंत सोरेन सरकार में। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। अवैध खनन मामले में भी हेमंत सोरेन सरकार जांच के दायरे में है। कई मामलों के तार मुख्यमंत्री ऑफिस से भी जुड़े हुए हैं। एक निलंबित अधिकारी के ऊपर ईडी की कार्यवाही होती है और परेशानी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को होती है। घोटाले में गिरफ्त में कोई और आती है, दर्द किसी और को होता है। ऐसे में झारखंड में बदलाव की जरूरत है।

जिला भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन एवं शिलान्यास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 5 जून, 2022 को रांची, झारखंड स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये चतरा और जामतारा जिले में नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन और 6 जिला भाजपा कार्यालयों (पाकुड़, गोड्डा, गढ़वा, लातेहार, रांची ग्रामीण और पूर्वी सिंहभूम) का भूमि-पूजन सह शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक प्रकाश, झारखंड विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दिलीप सैकिया, पूर्व मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास, केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी एवं राष्ट्रीय संगठक श्री वी. सतीश उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय, पार्टी कार्यकर्ताओं के संस्कार के केंद्र होते हैं। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी कल्पना थी कि देश के हर जिले में भारतीय जनता पार्टी का अपना कार्यालय होना चाहिए। तब उस समय हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने देश के हर जिले में भाजपा के अपने जिला कार्यालयों के निर्माण का बीड़ा उठाया था। अब तक 230 से अधिक जिला भाजपा कार्यालयों का निर्माण पूरा हो गया है। 150 जिला कार्यालयों का निर्माण तेज गति से चल रहा है। बाकी अन्य जिला कार्यालयों का निर्माण भी प्रगति पर है। ये सभी कार्यालय सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। झारखंड में भाजपा के 27 सगंठन जिले हैं, 531 मंडल हैं, लगभग 57.65 लाख से अधिक प्राथमिक सदस्य हैं और लगभग 23 हजार सक्रिय सदस्य हैं। झारखण्ड में 11 लोकसभा सीटों पर जनता ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है। प्रदेश में 27 सांगठनिक जिलों में से 11 जिले में भाजपा कार्यालय का निर्माण पूरा हो गया है, 6 अभी बन रहा है और बाकी पर भूमि खरीदने का काम चल रहा है। हम आज यहां तक पहुंचे हैं तो इसके पीछे हमारी चार-चार पीढ़ियों की त्याग और तपस्या है। हमें बलिदान को भूलना नहीं चाहिए। ■

'टीएमसी की नीति करप्शन और कमीशन का मिशन है'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 8 एवं 9 जून, 2022 को पश्चिम बंगाल का प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यसमिति बैठक एवं नागरिक सम्मेलन को संबोधित किया, साथ ही कई सांगठनिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 8 जून, 2022 को कोलकाता में पश्चिम बंगाल प्रदेश भाजपा कार्यसमिति बैठक के उद्घाटन-सत्र को संबोधित किया और पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पश्चिम बंगाल में सुख, शांति और समृद्धि लाने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील करते हुए भ्रष्टाचारी, अराजकतावादी और तुष्टिकरण एवं हिंसा की राजनीति की पराकाष्ठा पार करने वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

श्री नड्डा ने कहा कि देश में भाजपा को छोड़कर किसी भी राजनीतिक

पार्टी में कार्यकर्ता हैं तो नेता नहीं है नेता है तो नीयत नहीं है अगर नीयत है तो नीति नहीं है। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के पास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नेता, नीति, नीयत, कार्यकर्ता और वातावरण है। टीएमसी की तो नीति ही करप्शन और कमीशन का मिशन है। टीएमसी में कोई नीति नहीं है, कार्यकर्ता के नाम पर केवल सिंडिकेट है।

उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रीय पार्टियां परिवार की पार्टियां बन गयी है। भाजपा का मुकाबला आज परिवारवादी पार्टियों से है। तृणमूल कांग्रेस भी परिवारवादी पार्टी बन चुकी है। ये अपने आप को क्षेत्रीय पार्टी कहते थे आज तृणमूल कांग्रेस फुआ और भतीजे की पार्टी बन गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में न तो भारतीयता है और न ही राष्ट्रीयता। ये तो भाई-बहन की पार्टी है। इसके नेता भी भारत में नहीं, लंदन से बोलते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कभी बंगाल के विषय में कहा जाता था कि पश्चिम बंगाल जो आज सोचता है, वह भारत कल सोचता है। कभी बंगाल आर्थिक राजधानी कहा जाता था, लेकिन आज यहां एक दुःखदायी स्थिति उत्पन्न हो गई है। एनसीआरबी के अनुसार आज पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा अपहरण के मामले हो रहे हैं। इसका मतलब महिलाओं की तस्करी सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में हो रही है। जिस राज्य की मुख्यमंत्री एक महिला हो, उस प्रदेश का ये हाल? क्या आप ऐसा बंगाल देखना चाहते हैं? क्या यही है पश्चिम बंगाल की प्राइड? आज पश्चिम बंगाल की ये स्थिति हो गई है कि मर्डर के मामले में पश्चिम बंगाल देश में चौथे स्थान पर है और मर्डर के प्रयास के मामले में सबसे आगे है। हिंसक अपराध के मामले में आज पश्चिम बंगाल तीसरे नम्बर पर है और हमारी मुख्यमंत्री हर घटना में कहती है यह छोटी घटना है। जब मुख्यमंत्री का बयान ही ऐसा हो तो क्या किया जा सकता है? यानी रक्षक ही भक्षक बन जाए तो फिर क्या स्थित होगी प्रदेश की?

नागरिक सम्मेलन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने दो दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे के अंतिम दिन 09 जून, 2022 को कोलकाता स्थित कला मंदिर में आयोजित एक नागरिक सम्मेलन को संबोधित किया। इससे पूर्व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बेलूर मठ का दौरा किया। इसके बाद कोलकाता स्थित वेस्टिन होटल में सांसद, विधायक और पार्टी पदाधिकारियों की बैठक के अतिरिक्त कोलकाता के ही साइंस सिटी ऑडिटोरियम में मंडल अध्यक्षों, मोर्चा अध्यक्षों और प्रदेश कार्यसमिति टीम के साथ भी बैठक की। श्री नड्डा ने बेलूर मठ परिसर में कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को संबोधित करते हुए टीएमसी नेत्री एवं प्रदेश की ममता बनर्जी सरकार के तानाशाही रवैये पर निशाना साधा और कहा कि दुनिया में बड़ी से बड़ी दमनकारी सरकारें आईं, लेकिन वे सभी सरकारें नेस्तनाबूद हो गईं। कार्यकर्ताओं से इतना ही कहना है कि कल हमारा है और हमारा रहेगा, प्रजातांत्रिक तरीके से बंगाल भी हमारा ही होगा।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्यायजी के घर 'वंदे मातरम्' भवन गए

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा हुगली (पश्चिम बंगाल) स्थित देश की महान विभूति एवं राष्ट्रभक्ति के अमर गीत 'वंदे मातरम्' के रचियता श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्यायजी के घर वंदे मातरम् भवन गए और बंकिम बाबू को याद किया। बंकिम बाबू ने यहीं पर कालजयी कृति 'वंदे मातरम्' की रचना की थी।

रासबिहारी बोस रिसर्च इंस्टिट्यूट का निरीक्षण किया

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने हुगली जिले के चंदन नगर स्थित रासबिहारी बोस रिसर्च इंस्टिट्यूट पहुंचकर क्रांतिकारी रासबिहारी बोस की तस्वीर पर माल्यार्पण करने के बाद रिसर्च इंस्टिट्यूट का निरीक्षण किया। उन्होंने रासबिहारी बोसजी के कृतित्वों का स्मरण करते हुए कहा कि बोसजी ने विदेशी ताकतों के खिलाफ बेहद महत्वपूर्ण लड़ाई लड़ी थी और उन्होंने क्रांति के बीज भी बंगाल में बोये थे। ■

'बूथ मजबूत होगा तो पार्टी मजबूत होगी'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 मई, 2022 को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में 'बूथ सशक्तीकरण अभियान' कार्यक्रम को संबोधित किया। भाजपा ने संगठन को मजबूत करने और आउटरीच गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 25 मई से 31 मई तक देश भर में लगभग 74,000 चुनावी बूथों पर जहां पार्टी अपेक्षाकृत कमजोर है, वहां एक सप्ताह का अभियान चलाया।

भाजपा ने अभियान को गति देने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप घोष, राष्ट्रीय महामंत्री श्री सी.टी. रवि और पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य इसके सदस्य हैं। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष, बूथ अभियान समिति के सदस्य, कई केंद्रीय मंत्री और देश भर के नेता शामिल हुए।

पार्टी ने देश भर में लगभग 74,000 बूथों की पहचान की है, जिन्हें अभियान के तहत मजबूत किया जाना है। पार्टी के सभी सांसदों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 100 कमजोर बूथों को मजबूत करने के लिए कहा गया है और इसके लिए 30 सदस्यीय टीम का गठन किया जाएगा। इसी तरह पार्टी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में 10 कमजोर बूथों को मजबूत करने का जिम्मा सौंपा गया है। कमजोर बूथों की पहचान 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभा चुनावों के परिणामों के आधार पर की गई है।

इस अभियान के तहत भाजपा नेताओं को एक टीम बनाकर उन्हें प्रशिक्षित करना होगा और फिर इन कमजोर मतदान केंद्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में आउटरीच गतिविधियों को चलाना होगा। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही गयी है। इस अभियान के पीछे का व्यापक विचार भाजपा का विस्तार करना और अगले लोकसभा चुनावों में अपनी संख्या बल को बढ़ाना है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दीप जलाकर 'बूथ सशक्तीकरण अभियान' का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 'बूथ जीतो— चुनाव जीतो' सिर्फ एक नारा नहीं है, यह एक सच्चाई है। सत्ता का रास्ता बूथ से होकर गुजरता है, बूथ हमारी असली ताकत है, बूथ शक्ति का स्रोत है, बूथ मजबूत होगा, तो पार्टी मजबूत होगी। ■

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने चंपावत सीट पर रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 03 जून, 2022 को घोषित चंपावत विधानसभा उपचुनाव के परिणाम के अनुसार कांग्रेस की निर्मला गहटोरी को रिकार्ड 55,000 से अधिक मतों के अंतर से हराकर भारी जीत दर्ज की।

चंपावत विधानसभा सीट पर उपचुनाव 31 मई को हुआ था, जिसमें 64 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चंपावत के चुनाव अधिकारियों ने बताया कि श्री धामी ने कांग्रेस प्रत्याशी के 3,233 मतों के मुकाबले 58,258 मत प्राप्त किए और 55,025 मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और पार्टी के अन्य सभी वरिष्ठ नेताओं ने श्री धामी को उनकी जीत पर बधाई दी।

श्री धामी की जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, "उत्तराखंड के गतिशील मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को चंपावत उपचुनाव में रिकॉर्ड जीत के लिए बधाई।" "मुझे विश्वास है कि वह उत्तराखंड की प्रगति के लिए और भी अधिक मेहनत करेंगे। मैं चंपावत के लोगों को भाजपा में

विश्वास प्रकट करने के लिए धन्यवाद देता हूं और कड़ी मेहनत के लिए हमारे कार्यकर्ताओं की सराहना करता हूं।" ■

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद में 8.7 प्रतिशत की भारी वृद्धि

वर्ष 2021-22 में स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्ष 2020-21 के लिए 135.58 लाख करोड़ रुपये के पहले संशोधित अनुमान, जिसे 31.01.2022 को जारी किया गया था, के मुकाबले 147.36 लाख करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त करने का अनुमान है

गत 31 मई को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद में 8.7 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई। दरअसल, एनएसओ ने राष्ट्रीय आय 2021-22 के अनंतिम अनुमान के साथ-साथ जनवरी-मार्च (क्यू4) 2021-22 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का तिमाही अनुमान जारी किया।

एनएसओ के अनुसार वर्ष 2021-22 में स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्ष 2020-21 के लिए 135.58 लाख करोड़ रुपये के पहले संशोधित अनुमान, जिसे 31.01.2022 को जारी किया गया था, के मुकाबले 147.36 लाख करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त करने का अनुमान है। 2020-21 में 6.6 प्रतिशत के संकुचन की तुलना में 2021-22 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 8.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

वर्ष 2021-22 के लिए नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद या वर्तमान कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद 2020-21 में 198.01 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 236.65 लाख करोड़ रुपये का स्तर प्राप्त करने का अनुमान है और इस प्रकार इसमें 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

जनवरी-मार्च 2021-22 में स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी क्यू4, 2020-21 के 39.18 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 40.78 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है और इस प्रकार इसमें 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आय के अग्रिम और अनंतिम अनुमान बेंचमार्क-संकेतक पद्धति का उपयोग करके संकलित किए जाते हैं, यानी पिछले वर्ष के लिए उपलब्ध अनुमानों को बेंचमार्क वर्ष (इस मामले में 2020-21) के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो संबंधित संकेतकों का उपयोग करके क्षेत्रों के प्रदर्शन को दर्शाते हैं। ■

9.6 करोड़ ग्रामीण परिवारों के परिसर में पहुंचा नल से जल

6 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश, 108 जिले, 1,222 ब्लॉक, 71,667 ग्राम पंचायत और 1,51,171 गांव 'हर घर जल' बन गए हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक ग्रामीण घर को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण के अनुरूप देश ने 50 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल का पानी पहुंचाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की। गोवा, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव, पुडुचेरी और हरियाणा ने पहले ही शत-प्रतिशत घरों तक नल का पानी पहुंचाकर महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त कर ली है। पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और बिहार में 90 प्रतिशत से अधिक का कवरेज है और 'हर घर जल' का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहे हैं।

महात्मा गांधी का सपना— 'ग्राम स्वराज्य' प्राप्त करने के लिए जल जीवन मिशन का उद्देश्य शुरू से ही पंचायती राज संस्थाओं और समुदायों को जलापूर्ति योजनाओं में शामिल करके उन्हें सशक्त बनाना है। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में रहने वाले 9.59 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को उनके परिसरों में पानी मिल रहा है। ये परिवार अब पानी की तलाश में चिलचिलाती गर्मी, बारिश और हिमपात में लंबी दूरी तय करने के सदियों पुराने परिश्रम से मुक्त हो गए हैं।

'हर घर जल' केंद्र सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल जीवन मिशन द्वारा राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ साझेदारी में लागू किया गया है, ताकि 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल के पानी का कनेक्शन सुनिश्चित किया जा सके।

2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत के समय केवल 3.23 करोड़ घरों में यानी 17 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या के पास नल के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध था, लेकिन 27.05.2022 तक 108 जिले, 1,222 ब्लॉक, 71,667 ग्राम पंचायत और 1,51,171 गांव 'हर घर जल' बन गए हैं, जिसमें सभी ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है। ■

वित्तीय वर्ष 2021-22 में 44 अरब अमेरिकी डॉलर का हुआ रिकॉर्ड वस्त्र निर्यात

अमेरिका 27 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक निर्यात किया गया। इसके बाद यूरोपीय संघ (18 फीसदी), बांग्लादेश (12 फीसदी) और संयुक्त अरब अमीरात (6 फीसदी) का स्थान है

केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय द्वारा 31 मई को जारी एक बयान के अनुसार भारत ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में हस्तशिल्प सहित कपड़ा व परिधान में 44.4 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात किया। यह अब तक का सबसे अधिक वस्त्र निर्यात है। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 में संबंधित आंकड़ों की तुलना में क्रमशः 41 फीसदी और 26 फीसदी की पर्याप्त बढ़ोतरी का संकेत है।

अमेरिका 27 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक निर्यात किया गया। इसके बाद यूरोपीय संघ (18 फीसदी), बांग्लादेश (12 फीसदी) और संयुक्त अरब अमीरात (6 फीसदी) का स्थान है।

उत्पाद श्रेणियों के संदर्भ में 2021-22 के दौरान क्रमशः 39 फीसदी हिस्सेदारी के साथ कपास वस्त्रों का निर्यात 17.2 अरब अमेरिकी डॉलर था। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में 54 फीसदी और 67 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

वहीं, वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान रेडी-मेड गारमेंट्स का निर्यात 36 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 16 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में क्रमशः 31 फीसदी और 3 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

मानव निर्मित वस्त्र निर्यात 14 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में 2021-22 के दौरान क्रमशः 51 फीसदी और 18 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात 5 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर था। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में क्रमशः 22 फीसदी और 16 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ■

पिछले 8 वर्षों में केंद्र सरकार 228 विरासत वस्तुएं देश वापस लाई

केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने एक जून, 2022 को बताया कि पिछले 8 वर्षों में केंद्र सरकार 228 विरासत वस्तुओं को देश वापस लाई, जबकि स्वतंत्रता प्राप्ति और 2013 के बीच केवल 13 पुरावशेषों को ही भारत वापस लाया गया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के निरंतर प्रयास और 2014 से अब तक 228 पुरावशेषों को वापस लाए जाने से अब इनकी कुल संख्या 241 हो गई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 157 पुरावशेषों को भारत वापस लाया गया, जो भारत को अब तक मिला सबसे बड़ा एकल संग्रह है।

केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने उपर्युक्त बातें ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका से प्राप्त दस पुरातन वस्तुएं (मूर्तियां) को नई दिल्ली में तमिलनाडु सरकार को सौंपने के अवसर पर कहीं। तमिलनाडु सरकार को सौंपे गए पुरावशेषों के संग्रह में द्वारपाल, नटराज, कनकलामूर्ति कदयम, नदीकेश्वर कदयम, चतुर्भुज विष्णु, श्री देवी, शिव और पार्वती, खड़े हुए बाल संबंदर और बाल सांभर नाम की मूर्तियां शामिल हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने हमारी प्राचीन सभ्यता के लोकाचार को संरक्षित करने, हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की रक्षा करने और भारतीय ज्ञान प्रणालियों और विश्व भर में परम्पराओं का प्रचार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। अपने देव विग्रहों को वापिस लाना अर्थात् 'ब्रिंग आवर गॉड्स होम' एक ऐसी ही पहल है जो हमारी विरासत को संरक्षित, बढ़ावा और प्रचारित करने में निहित है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्रीजी के व्यक्तिगत संबंधों और इन देशों के विश्व नेताओं के साथ मधुर संबंधों ने संबंधित देशों को चोरी से ले जाए गए पुरावशेषों की तेजी से पहचान करने और उनकी वापसी तक निरंतर सहयोग करने के लिए प्रेरित किया है। इसलिए सारा श्रेय हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। उन्होंने न केवल इन पुरावशेषों को पुनः प्राप्त करने में मदद करने के प्रयास किए हैं, बल्कि विदेश में अपने आधिकारिक दौरों के दौरान व्यक्तिगत रूप से उन्हें अपने साथ वापस भी लेकर आए हैं। ■

मई, 2022 में चौथी बार जीएसटी राजस्व संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा

मई, 2022 के महीने के लिए जीएसटी राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने में 97,821 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व से 44% अधिक है

मई, 2022 के महीने में एकत्र किया गया सकल जीएसटी राजस्व 1,40,885 करोड़ रुपये है, जिसमें सीजीएसटी 25,036 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 32,001 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 73,345 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 37,469 करोड़ रुपये सहित) और 10,502 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 931 करोड़ रुपये सहित) उपकर है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से 27,924 करोड़ रुपये सीजीएसटी और 23,123 करोड़ रुपये एसजीएसटी के लिए तय किया है। नियमित निपटान के बाद मई, 2022 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 52,960 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 55,124 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, केंद्र ने 31.05.2022 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 86,912 करोड़ रुपये का जीएसटी मुआवजा भी जारी किया है।

मई, 2022 के महीने के लिए राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने में 97,821 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व से 44% अधिक है। महीने के दौरान माल के आयात से राजस्व 43% अधिक था और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से राजस्व की तुलना में 44% अधिक है।

यह केवल चौथी बार है जब मासिक जीएसटी संग्रह जीएसटी की स्थापना के बाद से 1.40 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है और मार्च, 2022 के बाद से तीसरा महीना है। मई के महीने में संग्रह वित्त वर्ष के पहले महीने अप्रैल के पहले महीने के रिटर्न से संबंधित है और अप्रैल की तुलना में हमेशा कम रहा है तथा अप्रैल का संग्रह जो मार्च महीने में वित्त वर्ष की समाप्ति से संबंधित होता है। हालांकि, यह देखना उत्साहजनक है कि मई, 2022 के महीने में भी सकल जीएसटी राजस्व 1.40 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। अप्रैल, 2022 के महीने में कुल 7.4 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो मार्च, 2022 के महीने में उत्पन्न 7.7 करोड़ ई-वे बिल से 4% कम है। ■

10 इन-ऑर्बिट संचार उपग्रहों को भारत सरकार से न्यूस्पेस इंडिया को हस्तांतरित करने की मिली मंजूरी

इस मंजूरी से अंतरिक्ष क्षेत्र में घरेलू आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने और वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने आठ जून को 10 इन-ऑर्बिट संचार उपग्रहों को भारत सरकार से मेसर्स न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल), जो अंतरिक्ष विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत भारत सरकार का पूर्ण स्वामित्व वाला सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है, को हस्तांतरित किए जाने को मंजूरी दी।

गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने एनएसआईएल की अधिकृत शेयर पूंजी को 1000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7500 करोड़ रुपये करने को भी मंजूरी दे दी।

एनएसआईएल को इन परिसंपत्तियों का हस्तांतरण इस कंपनी को पूंजी प्रधान कार्यक्रमों/परियोजनाओं को साकार करने के लिए वांछित वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करेगा और इस प्रकार अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में रोजगार की व्यापक संभावनाओं और प्रौद्योगिकी आधारित अन्य लाभ की पेशकश करेगा। इस मंजूरी से अंतरिक्ष क्षेत्र में घरेलू आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने और वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों ने एनएसआईएल को समग्र वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों को शुरू करने और एक पूर्ण उपग्रह ऑपरेटर के रूप में कार्य करने का अधिकार दिया है। सिंगल-विंडो ऑपरेटर के रूप में कार्य करते हुए एनएसआईएल अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा भी प्रदान करेगी। एनएसआईएल बोर्ड को अब उपग्रह संचार के क्षेत्र में बाजार के परिदृश्य तथा वैश्विक रुझानों के अनुरूप ट्रांसपोंडरों का मूल्य निर्धारित करने का अधिकार

होगा। एनएसआईएल को अपनी आंतरिक नीतियों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार क्षमता (कैपेसिटी) की पेशकश करने और उसे आवंटित करने के लिए भी अधिकृत किया गया है। ■

समष्टि का सामूहिक स्वरूप

पं. दीनदयाल उपाध्याय

व्यक्ति केवल शरीर नहीं, अपितु शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा, इन सबका एक संकलित, संगठित रूप है। व्यक्ति के समान समाज भी एक जीवमान चैतन्ययुक्त सत्ता है। जिस प्रकार व्यक्ति में शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा आदि रहते हैं, उसी प्रकार समाज में भी शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा ये रहते हैं। अब यह समाज का शरीर क्या है, हम लोग मुख्यतः राष्ट्र का विचार करें।

समष्टि कई प्रकार की होती है। एक व्यक्ति से ज्यादा व्यक्ति जब एकत्र होते हैं, तब उनकी समष्टि बनती है। कुटुंब, जाति, पंचायत, जनपद, राष्ट्र, मानव, सृष्टि, इस प्रकार क्रमशः समष्टि बढ़ती जाती है। व्यक्ति से मानवता तक अनेक समष्टियां हैं और इनका एक-दूसरे के साथ क्रमशः आरोह करता हुआ संबंध एक-दूसरे में मिल जाता है। व्यक्ति कुटुंब में, कुटुंब जाति में ऐसे मानव तक, इन सबमें व्यक्ति है। हर काम व्यक्ति से होता है। उदाहरणार्थ, शासन में बहुत लोग होते हैं। कोई विभिन्न विभागों का अधिकारी रहता है। विकास विभाग, पुलिस, शिक्षा, योजना आदि सारी जगह वह जाता है। उसी प्रकार व्यक्ति कुटुंब से लेकर सृष्टि तक सबका प्रतिनिधित्व करता है। व्यक्तियों के भिन्न-भिन्न आधार पर समष्टि बनती है। व्यक्तियों का समूह ही समष्टि है। कोई सी भी संस्था हो, उसमें (1) सदस्य (2) उद्देश्य निश्चित रहने (3) विधान नियमावली लिखित या अलिखित, बिना उसके चार लोगों का संगठन नहीं होता। (4) कृति, संस्था के अस्तित्व में हुआ काम यदि हो, वर्ष के समय में कहां-कहां खेले, इनाम कितने मिले, कहां-कहां किए। फिर मिले हुए, एक स्थान पर रखे रहते हैं, सर्टिफिकेट्स फ्रेम बनाकर लगाते हैं। यानी अच्छी-अच्छी चीजें तो रखी जाती हैं। गौरवास्पद बातों का संकलन होता है कि जिनसे आगे चलकर प्रेरणा ले सकें। इस प्रकार सदस्य, निश्चित उद्देश्य, संविधान और अच्छी कृति, ये चार बातें किसी भी समष्टि में रहती हैं।

ये चार बातें एक राष्ट्र के संबंध में भी लागू हैं। राष्ट्र यह एक समष्टि का सामूहिक स्वरूप है। राष्ट्र के घटक मनुष्य और भूमि होते हैं। मनुष्य, जिनका उस भूमि के साथ माता का संबंध है, जो उसको मातृभूमि, पितृभूमि कहे। यह संबंध स्वार्थ प्रेरित नहीं रहता। उस भूमि को कोई बेचने का विचार नहीं करता। उसके साथ इतना आत्मीयता का संबंध रहता है। यानी पुत्र रूप जनसमुदाय और भूमि मिलाकर देश होता है। देश, यानी जमीन के टुकड़े नहीं। दक्षिणी ध्रुव पर ज़मीन है, लेकिन वह देश नहीं कहा जाता। कारण, वहां मां समझकर उस पर रहने वाले मनुष्य नहीं हैं।

देश के घटक तो मनुष्य हैं, वे क्यों उस भूमि में उसे मां कहते हुए रहते हैं? वे कुछ-न-कुछ भगवान् से उद्देश्य लेकर आते हैं। राष्ट्रों के जीवनोद्देश्य का तय भगवान् की ओर से ही होता है। भगवान् की ओर से क्या तय हुआ, इसका पता लगाना पड़ता है। व्यक्ति भी अपना जीवनोद्देश्य तय नहीं कर सकता तो वह पहचानना पड़ता है। हम हिंदुस्तान में ही क्यों पैदा हुए? पुराने कर्म के अनुसार या तो यह जन्म उस भगवान् ने तय कर दिया, इसलिए यहां क्यों पैदा हुए, उसको ढूंढ़ना पड़ता है। जो खोज करते हुए जीवन जीते हैं, वे सफल होते हैं।

उदाहरणार्थ, पं. सातवलेकर जी पहले किसी के यहां मुनीम थे। उनको लगा कि अपना जीवनोद्देश्य किसी की नौकरी करना नहीं है। उन्होंने नौकरी छोड़ दी और वेद का संशोधन कार्य हाथ में लिया और उससे वे एक बड़े व्यक्ति बन गए। इस तरह राष्ट्र का उद्देश्य भी होता है। उसके अनुसार नियम बनते हैं। राष्ट्र के लिए कौन सी चीजें ठीक हैं, उसकी खोज करते हैं। अंतर्दृष्टि से, द्वंद्वातीत, निरपेक्ष भाव से खोज निकालते हैं। कहीं राष्ट्र-जीवन का साक्षात्कार कर लेते हैं। उस जीवनोद्देश्य को पूरा करने के लिए जो नियम बनते हैं। यह जो जीवनोद्देश्य है, उसको चिति कहते हैं। चिति, यानी राष्ट्र की प्रकृति, उसका साक्षात्कार कर लेने में मनुष्य को आनंद होता है। चिति को प्राप्त करने के लिए जो-जो आवश्यक और लायक चीजें होती हैं, उनको धर्म कहते हैं। यही राष्ट्र-धर्म है। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए जो प्रयत्न होते हैं, वही इतिहास है। जीवन में हुए विजय, बलिदान, त्याग, अन्यान्य व्यवहार, उनमें सुख, समाधान देनेवाली चीजें, जो गौरवास्पद हैं, जिनको स्मरण करते ही मनुष्य को आनंद होता है और आत्मसाक्षात्कार करने में आगे बढ़ता है। इस प्रकार इतिहास काल में हो गई गौरवमयी गाथाएं, कृतियों का संग्रह, यही अपनी संस्कृति है। राष्ट्र के घटक, मनुष्य और भूमि, राष्ट्र का जीवनोद्देश्य, राष्ट्रधर्म और राष्ट्र-संस्कृति, ये चार बातें मिलाकर ही राष्ट्र होता है। व्यक्ति और राष्ट्र के संबंध कैसे? राष्ट्र व्यक्ति के सहारे काम करता है।

पंखुड़ियों से फूल बनता है, दोनों का अस्तित्व अलग-अलग नहीं। राष्ट्र का जीवन प्रखर करने में ही व्यक्ति की सार्थकता रहती है। इनमें परस्पर विरोध नहीं। राष्ट्र के उत्कर्ष का माध्यम बनने में ही व्यक्ति-जीवन का विकास है। उद्देश्य का विस्मरण हो जाने से संघर्ष निर्माण होता है। समाज व्यक्ति को ग़ुलाम नहीं बनाता। अपने वर्ग में शिक्षक अपने से संचालन कराता है। इसमें अपने को कोई ग़ुलाम नहीं बनाता। पुलिस अधिकारी क्यों न हो, पुलिस के हाथ दिखाते ही मोटरकार रुक जाती है। यह बंधन नहीं। रक्षण और विकास के लिए आवश्यक है। इस प्रकार व्यक्ति विकास और समाज का हित इसमें समन्वय है। इन दोनों में संघर्ष नहीं। व्यक्ति के विकास और हित के लिए जो व्यवस्था कही गई है, उसको हम पुरुषार्थ कहते हैं। ■ क्रमशः

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्गः बंगलौर, मई 27, 1965

प्रखर देशभक्त
डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी

(6 जुलाई, 1901– 23 जून, 1953)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी महान् शिक्षाविद्, चिन्तक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। भारतवर्ष की जनता उन्हें एक प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में जानती है। देश के करोड़ों लोगों के मन में उनकी एक निरभिमानी, देशभक्त की छवि अंकित है। वे आज भी बुद्धजीवियों और मनीषियों के आदर्श हैं। वे अब भी लाखों भारतवासियों के मन में एक पथ-प्रदर्शक एवं प्रेरणापुंज के रूप में समाए हुए हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी एक अनुभवी राजनीतिज्ञ थे। उनके ज्ञान, प्रतिभा और स्पष्टवादिता के कारण उनके मित्र और विरोधी सभी उनका आदर करते थे, लेकिन दुर्भाग्य है कि भारत ने स्वतंत्रता के शुरुआती चरण में ही एक महान सपूत खो दिया।

डॉ. मुकर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को एक प्रसिद्ध बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष बंगाल के एक जाने-माने व्यक्ति थे। डॉ. मुकर्जी ने कलकत्ता से स्नातक डिग्री प्राप्त की। वे 1923 में सीनेट के सदस्य (फैलो) बन गये। उन्होंने अपने पिता की मृत्यु के बाद सन् 1924 में कलकता उच्च न्यायालय में एडवोकेट के रूप में नाम दर्ज कराया। बाद में वे सन् 1926 में 'लिंकन्स इन' में अध्ययन करने के लिए इंग्लैंड चले गए और 1927 में बैरिस्टर बन गए।

वे तैंतीस वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय में विश्व के सबसे कम उम्र के कुलपति बने और सन् 1938 तक इस पद पर आसीन रहे। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए कांग्रेसी उम्मीदवार के रूप में बंगाल विधान परिषद् के सदस्य चुने गए, लेकिन उन्होंने अगले वर्ष इस पद से उस समय त्यागपत्र दे दिया, जब कांग्रेस ने विधानमंडल का बहिष्कार कर दिया था। बाद में उन्होंने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए।

पंडित नेहरू ने उन्हें अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। डॉ. मुकर्जी ने लियाकत अली खान के साथ दिल्ली समझौते के मुद्दे पर 6 अप्रैल, 1950 को मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। श्री मुकर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरू गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद 21 अक्तूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की नींव रखी और वे इसके पहले अध्यक्ष बने। सन् 1952 के चुनावों में भारतीय जनसंघ ने संसद की तीन सींटें जीतीं, जिनमें से एक सीट पर श्री मुकर्जी जीतकर आए थे। उन्होंने संसद के भीतर राष्ट्रीय जनतांत्रिक फ्रंट बनाया, जिसमें 32 सदस्य लोकसभा तथा 10 सदस्य राज्यसभा से थे।

डॉ. मुकर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू-कश्मीर का अलग झंडा था, अलग संविधान था, वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था। डॉ. मुकर्जी ने जोरदार नारा बुलंद किया — एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान— नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे।

संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण में डॉ. मुकर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की थी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने संसद में स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारत से काटने की साजिश रची जा रही है। पंडित नेहरू ने डॉ. मुकर्जी पर ही संदेह व्यक्त कर दिया। कोई भी समझौता अथवा रास्ता दिखाई न

देने पर डॉ. मुकर्जी ने बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने का फैसला कर लिया। उनकी इस घोषणा में देश की अखंडता के लिए बलिदान देने की उमंग स्पष्ट झलकती थी।

9 मई, 1953 को प्रातः 6.30 बजे डॉ. मुकर्जी रेलगाड़ी से अपने चंद साथियों के साथ जम्मू के लिए रवाना हुए, परंतु जब वे अपने साथियों सहित जम्मू की सीमा रावी नदी के किनारे लखनपुर पहुंचे तो कश्मीर में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून, 1953 को संदिग्ध परिस्थितियों में डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी की मृत्यु हो गई। सच तो यह है कि डॉ. मुकर्जी ने भारत विरोधी, विघटनकारी और पाकिस्तानपरस्त शक्तियों से लोहा लिया। वे भारत मां के मुकुट कश्मीर को पाकिस्तानी शिकंजे में जाने से रोकने में सफल हुए। भारत की एकता एवं अखंडता के लिए वीरगति प्राप्त करने वाले शहीद डॉ. मुकर्जी ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि भारत की जनता और नेता एकजुट होकर पूरी ताकत से देशद्रोहियों का प्रतिकार करें, तो विदेश प्रेरित शक्तियां अवश्य परास्त होंगी। ■

सेवा और गरीब कल्याण के आठ वर्ष

जगत प्रकाश नड्डा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के आठ सफल वर्ष पूरे हो रहे हैं। आठ वर्षों की यह यात्रा जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के दंश से ग्रसित देश की राजनीति पर विकासवाद की जीत की अविरल यात्रा है। यह देश के लोकतंत्र को मजबूती देते हुए गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं एवं समाज में हाशिये पर खड़े हर व्यक्ति के सशक्तीकरण एवं उनके जीवन में उत्थान लाने की यात्रा है। यह 'देश में कुछ भी नहीं हो सकता है' के अंधकार पर 'देश यदि ठान ले, तो सब कुछ संभव है' के विश्वास की यात्रा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देश के प्रति विजन को 135 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह से आत्मसात करते हुए जमीन पर उतारा है, उसने यह सिद्ध किया है कि सही नेतृत्व हो और नेतृत्व के पास नीति एवं नीयत हो, तो हर चुनौती से पार पाते हुए सफलता की बड़ी लकीर खींची जा सकती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल ही नहीं रहा है, अपितु विकास की नई परिभाषा भी गढ़ रहा है। आजादी के अमृतकाल में देश ने अपने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जिस तरह से चुनौती की चट्टानों पर विकास-पथ का निर्माण किया है, वह बेमिसाल है। पिछले आठ वर्षों में देश की गरीबी 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत से नीचे आ गई है। अत्यंत गरीबी की दर एक प्रतिशत से भी कम 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। पिछले 8 वर्षों में देश की प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ विदेशी मुद्रा भंडार भी लगभग दोगुना हुआ है। आजादी के 70 साल में देश में केवल 6.37 लाख प्राइमरी स्कूल बने, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के केवल आठ वर्षों में लगभग 6.53 लाख प्राइमरी स्कूल बने। आठ साल में देश की साक्षरता 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ी, जो विशिष्ट उपलब्धि है। विगत आठ वर्षों में देश में 15 नए एम्स का निर्माण हुआ। डॉक्टरों की संख्या भी पिछले आठ साल में 12 लाख से ज्यादा बढ़ी है। आठ साल में भारत का सड़क नेटवर्क दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। सौर और पवन ऊर्जा क्षमता बीते पांच सालों में दोगुनी हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देश के प्रति विजन को 135 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह से आत्मसात करते हुए जमीन पर उतारा है, उसने यह सिद्ध किया है कि सही नेतृत्व हो और नेतृत्व के पास नीति एवं नीयत हो, तो हर चुनौती से पार पाते हुए सफलता की बड़ी लकीर खींची जा सकती है

देश में खाद्यान्न उत्पादन लगातार नया रिकॉर्ड बना रहा है। 2012-13 में देश में खाद्यान्न का उत्पादन 255 मिलियन टन था, जो 2021 में बढ़कर 316.06 मिलियन टन हो गया है। यह आजादी के बाद अब तक का रिकॉर्ड उत्पादन है। कोविड जनित मंदी के बावजूद पिछले वित्त वर्ष में 418 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात हुआ। नरेन्द्र मोदी सरकार के आठ वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए जितने काम हुए, उतने आजादी के 70 सालों में भी न हुए। पिछले दो वर्षों से मोदी सरकार 3.40 लाख करोड़ रुपये की लागत से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक जरूरी राशन मुफ्त पहुंचा रही है। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न वितरण योजना है। इस कदम की पूरे विश्व ने सराहना की है। आयुष्मान भारत के रूप में देश में पहली बार आमजन को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। पहली बार किसानों और मजदूरों के लिए मासिक पेंशन की व्यवस्था हुई। पहली बार किसान सम्मान निधि का लाभ मिलना शुरू हुआ। ऑर्गेनिक खेती को लेकर भी पहली व्यवस्थित नीति हमारी सरकार ने ही बनाई।

सरकार की योजनाओं ने न केवल देशवासियों को सशक्त बनाया, बल्कि देश के अर्थचक्र को भी मजबूत किया। यही कारण है कि बदले हुए वैश्विक परिवेश के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था चुस्त-दुरुस्त बनी हुई है और भारत की विकास दर दुनिया में लगातार अधिक बनी हुई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, वोकल फॉर लोकल, गति शक्ति योजना, प्रोडक्ट लिंक इंसेंटिव और मोनेटाइजेशन जैसी योजनाओं ने देश को विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया है।

पहले समस्याओं को ही नियति मान लिया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी समस्याओं का स्थाई समाधान कर देश को इनोवेटिव अप्रोच के लिए तैयार किया। प्रधानमंत्री जी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर अनुच्छेद 370 धराशायी हुआ, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अब तक 1,800 अप्रासंगिक पुराने कानूनों में से 1,450 को खत्म किया जा चुका है। देश की विदेश नीति ने एक नया इतिहास रचा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विदेश नीति की सराहना होती है। पहली बार देशहित में विदेश नीति का रूपांतरण हुआ

है। इराक, यमन, अफगानिस्तान से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, भारत के बचाव और राहत अभियान की तो पूरी दुनिया कायल है। चाहे आतंकवाद का विषय हो, वैकल्पिक ऊर्जा का विषय हो, अंतरराष्ट्रीय सौर-ऊर्जा संगठन की बात हो, कार्बन उत्सर्जन का विषय हो, रूस-यूक्रेन युद्ध की बात हो, क्वाड हो या अमेरिका, फ्रांस, जापान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध हों, हर अवसर पर भारत की विदेश नीति शानदार रही है। प्रधानमंत्री ने देश की महान सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए प्रगति को नया आयाम दिया है।

पिछले आठ वर्ष में भाजपा ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सफलता के नए कीर्तिमान रचे हैं। 18 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी बनी है। 2014 में सात राज्यों में भाजपा और हमारे सहयोगियों की सरकारें थीं। आज 18 राज्यों में हमारी सरकारें हैं। पहली बार राज्यसभा में भाजपा 100 के आंकड़े तक पहुंची है। गुजरात से लेकर जम्मू-कश्मीर तक और राजस्थान से लेकर हैदराबाद तक, स्थानीय निकाय चुनावों में भी भाजपा ने इतिहास रचा है।

आजादी के अमृतकाल में पहली बार देशवासियों को यह एहसास हुआ है कि केंद्र में उनकी सरकार है, जो उनके लिए काम करती है। पिछले आठ वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की अवधारणा साकार हुई है। हम एक नए भारत के पुनर्निर्माण के लिए कटिबद्ध हैं, जहां सबके लिए समान अवसर हों और सब खुशहाल हों। आइए, आजादी के अमृत महोत्सव में हम सब मिलकर संकल्प लें कि भारतवर्ष को विश्वगुरु के पद पर पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खूब परिश्रम करेंगे और देश को समृद्ध बनाएंगे। ■

खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि

धान (सामान्य) का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पिछले साल के 1,940 रुपये प्रति क्विंटल से 100 रुपये बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल किया गया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आठ जून को 2022-23 विपणन मौसम के लिए 14 फसलों और उनकी वैरायटीज सहित 17 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भारी वृद्धि की मंजूरी दी।

धान (सामान्य) का न्यूनतम समर्थन मूल्य पिछले साल के 1,940 रुपये प्रति क्विंटल से 100 रुपये बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल किया गया। तिल का 523 रुपये प्रति क्विंटल, मूंग का 480 रुपये प्रति क्विंटल, तुअर व उड़द दाल का 300 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया।

विपणन मौसम 2022-23 के लिए खरीफ फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी वर्ष 2018-19 के केंद्रीय बजट में एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत (सीओपी) के ऊपर कम से कम 50 प्रतिशत लाभ निर्धारित करने की उद्घोषणा के अनुरूप हैं, जो कि किसानों के लिए किफायती निष्पक्ष पारिश्रमिक के लिए लक्षित हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि बाजरा, तूर, उड़द, सूरजमुखी बीज, सोयाबीन एवं मूंगफली की एमएसपी पर लाभ अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक है जो कि क्रमशः 85%, 60%, 59%, 56%, 53% एवं 51% है।

खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में हुई वृद्धि पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि देश सेवा में समर्पित अपने किसान भाई-बहनों के हित में आज सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है। कैबिनेट का यह निर्णय देश के करोड़ों किसानों को सशक्त करने वाला है। ■

फसल	एमएसपी 2014-15	एमएसपी 2021-22	एमएसपी 2022-23	उत्पादन लागत 2022-23	एमएसपी में वृद्धि (निवल)	उत्पादन लागत 2022-23 पर मुनाफा (प्रतिशत में)
धान (सामान्य)	1360	1940	2040	1360	100	50
धान (ग्रेड ए)	1400	1960	2060	-	100	-
ज्वार (हाईब्रीड)	1530	2738	2970	1977	232	50
ज्वार (मालदंडी)	1550	2758	2990	-	232	-
बाजरा	1250	2250	2350	1268	100	85
रागी	1550	3377	3578	2385	201	50
मक्का	1310	1870	1962	1308	92	50
तूर (अरहर)	4350	6300	6600	4131	300	60
मूंग	4600	7275	7755	5167	480	50
उड़द	4350	6300	6600	4155	300	59
मूंगफली	4000	5550	5850	3873	300	51
सूरजमुखी बीज	3750	6015	6400	4113	385	56
सोयाबीन (पीला)	2560	3950	4300	2805	350	53
तिल	4600	7307	7830	5220	523	50
रामतिल	3600	6930	7287	4858	357	50
कपास (मध्यम रेशा)	3750	5726	6080	4053	354	50
कपास (लंबा रेशा)	4050	6025	6380	-	355	-

दुनिया को राह दिखाता नया भारत

अमित शाह
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने केंद्र में अपने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवधि को मैं नए भारत के निर्माण की यात्रा के रूप में देखता हूं। नए भारत का अर्थ एक सशक्त, सक्षम, समर्थ और आत्मनिर्भरता की भावना युक्त भारत है। यह सुखद है कि पिछले आठ वर्षों में इस भारत की आधारशिला रखने का काम मोदी जी ने किया है। इस दौरान देश के समक्ष कोविड संकट सहित अनेक बाधाएं और चुनौतियां आईं, लेकिन मोदीजी के कुशल नेतृत्व में देश ने मजबूती से उनका सामना किया और नए भारत के निर्माण की यात्रा सतत जारी रही। कोविड महामारी ने पूरी दुनिया को नुकसान पहुंचाया और अभी भी तमाम देश उससे उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार की नीतियों के चलते यह महामारी हमारी अर्थव्यवस्था को अधिक प्रभावित नहीं कर पाई। जब दुनिया के बड़े-बड़े देश कोविड के समक्ष घुटने टेक चुके थे, तब मोदीजी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान करते हुए स्पष्ट किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो आपदा को भी अवसर में बदला जा सकता है।

'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा से जहां हताश हो रहे भारतीय जनमानस में आशा का संचार हुआ, वहीं इसके तहत घोषित बीस लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज ने अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने का काम किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि कोविड संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारत आज छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' में भारत 2015 में जहां 142वें स्थान पर था, वहीं अब 63वें स्थान पर है। भारत दुनिया का इन्वेस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। मोदीजी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता की राह पर चलता भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुलवाकर उन्हें देश के अर्थतंत्र में शामिल करते हुए मोदी जी ने यह प्रकट किया कि उनकी सरकार समावेशी विकास के माडल को लेकर आगे बढ़ने वाली है। मोदी शासन का मूलमंत्र 'सबका साथ-सबका विकास' ही सर्वस्पर्शी एवं सर्वसमावेशी माडल को लेकर आगे बढ़ने वाला है। इसका उद्देश्य देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाते हुए उसके जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, मुद्रा, पीएम किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत, सौभाग्य, आवास, डीबीटी इत्यादि योजनाओं के माध्यम से मोदी सरकार ने गरीबों का न सिर्फ आर्थिक सशक्तीकरण किया, बल्कि उन्हें सम्मान से जीने का अवसर देने का सफल भी प्रयास किया है। योजनाएं पिछली सरकारों में भी बनती थीं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की गति मोदी सरकार की विशेषता रही है। अब योजनाओं को किसी सीमा में बांधे बिना सभी के लिए बनाया जाता है। पिछले आठ वर्षों में स्वतंत्रता के बाद पहली बार गरीब और पिछड़े सरकार में हितधारक (स्टेकहोल्डर) बने और अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जुड़े।

> **भारत आज छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' में भारत 2015 में जहां 142वें स्थान पर था, वहीं अब 63वें स्थान पर है। भारत दुनिया का इन्वेस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। मोदीजी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता की राह पर चलता भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है**

मोदीजी के शासन में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी अभूतपूर्व मजबूती मिली है। आतंकवाद के प्रति यह सरकार जीरो टालरेंस का रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ रही है। अब आतंकी हमलों पर कांग्रेस सरकारों की तरह केवल निंदा-भर्त्सना करके ही कर्तव्यों की इतिश्री नहीं की जाती, बल्कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक द्वारा आतंकियों को उनके घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है। यह परिवर्तन देश के नेतृत्व की मजबूती के कारण ही संभव हुआ। कांग्रेस सरकारों के समय अक्सर ऐसा भी सुनने को मिलता था कि भारतीय सेना के पास गोला-बारूद की कमी हो गई है, लेकिन अब सैन्य बलों को सभी अत्याधुनिक संसाधनों एवं उपकरणों से लैस रखने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

आज देश की वायु सीमा की रक्षा राफेल जैसा अत्याधुनिक लड़ाकू विमान कर रहा है तो एस-400 जैसी सर्वश्रेष्ठ मिसाइल रक्षा प्रणाली देश का कवच बनकर तैनात हो चुकी है। रक्षा सामग्री के लिए विदेशी निर्भरता वाले भारत ने 2019 में 10 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादों का निर्यात किया और 2025 तक इसका लक्ष्य 35 हजार करोड़ रुपये करने का है। यह सब इसीलिए संभव हुआ, क्योंकि मोदी सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा राजनीति नहीं, राष्ट्रहित का विषय है। हमारी सरकार इससे कोई समझौता नहीं कर सकती।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर तो देश

को सुदृढ़ किया ही है, विश्व पटल पर भारत के गौरव को बढ़ाने का भी काम किया है। जलवायु संकट पर दुनिया को राह दिखाना हो या कोविड के विरुद्ध भारत की लड़ाई को विश्व के लिए मिसाल बनाना हो, उन्होंने विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। प्रधानमंत्री जब किसी भी देश या वैश्विक मंच पर जाते हैं, तो उनके वक्तव्यों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भरपूर उल्लेख होता है। इससे वह विश्व को भारत के प्रति एक नई दृष्टि देते हैं। अब भारत किसी महाशक्ति के सामने झुके बिना देशहित में अपना मत स्वतंत्रतापूर्वक रखता है। मोदीजी को संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व के कई मंच और देश सम्मानित कर चुके हैं। यह भी विश्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का ही द्योतक है। पिछले आठ वर्षों में भारत की महान संस्कृति और परंपराओं को पुनर्स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारतीय संस्कृति को वैश्विक सम्मान भी मिला है। योग को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलना इसका एक उदाहरण है।

यदि मोदीजी देशहित में बड़े और कड़े निर्णय लेते हैं तो इसका एक प्रमुख कारण उनके प्रति जनता का अपार विश्वास है। आज उनके नेतृत्व पर जनता का ऐसा विश्वास है कि लोग उनके निर्णयों को स्वयं आगे बढ़ाने में लग जाते हैं। स्वच्छ भारत अभियान का आह्वान हो, गैस सब्सिडी छोड़ने की अपील हो, नोटबंदी का निर्णय हो या कोविड के दौरान लाकडाउन की घोषणा, इन सभी मामलों में मोदी जी के आह्वान पर जनता ने जिस तरह से सरकार का सहयोग किया वह उनके प्रति लोगों के विराट विश्वास को ही दर्शाता है। मोदी सरकार एक ऐसे समय अपने कार्यकाल के आठ वर्ष पूरी कर रही है, जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। ये आठ वर्ष अगले 25 वर्षों के लिए देश को आगे ले जाने की दशा-दिशा तैयार करने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन आठ वर्षों में नए भारत की जो मजबूत आधारशिला तैयार की है, उस पर विश्व का नेतृत्व करने वाला एक सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत आकार लेगा। ■

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

गत आठ जून को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 105 घंटे और 33 मिनट में एनएच53 पर एक ही लेन में 75 किलोमीटर बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बनाए गए नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा की।

एक वीडियो संदेश में श्री गडकरी ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के घोषित आजादी का अमृत महोत्सव के तहत एनएचएआई ने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने प्रमाणित किया है।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के अमरावती से अकोला जिलों के बीच एनएच 53 पर एक ही लेन में 105 घंटे 33 मिनट में 75 किमी बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। 75 किलोमीटर सिंगल लेन निरंतर बिटुमिनस कंक्रीट रोड की कुल लंबाई, 37.5 किमी टू-लेन पक्की शोल्डर रोड के बराबर है। उन्होंने बताया कि यह काम 3 जून, 2022 को सुबह 7:27 बजे शुरू हुआ और 7 जून, 2022 को शाम 5 बजे पूरा हुआ।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसमें 2,070 मीट्रिक टन बिटुमेन से युक्त 36,634 मीट्रिक टन बिटुमिनस मिश्रण का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को पूरा करने के लिए स्वतंत्र सलाहकारों की एक टीम सहित 720 श्रमिकों ने दिन-रात काम किया। श्री गडकरी ने कहा कि इससे पहले सबसे लंबे 25.275 किलोमीटर सड़क के लिए लगातार बिटुमिनस बिछाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड था जिसे फरवरी, 2019 में दोहा, कतर में हासिल किया गया था। इस कार्य को पूरा होने में 10 दिन लगे थे।

उन्होंने कहा कि अमरावती से अकोला खंड एनएच 53 का हिस्सा है, यह एक महत्वपूर्ण गलियारा है जो कोलकाता, रायपुर, नागपुर और सूरत जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ता है। श्री गडकरी ने कहा कि जब यह पूरा हो जाएगा तो यह खंड इस मार्ग पर यातायात और माल की आवाजाही को आसान बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। ■

यूपी निवेशक शिखर सम्मलेन @3.0

प्रधानमंत्री ने 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की 1406 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तीन जून को लखनऊ में यूपी निवेशक शिखर सम्मलेन @3.0 के ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह में शामिल हुए। ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की 1406 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। परियोजनाएं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हैं, जैसे कृषि और संबद्ध क्षेत्र, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएसएमई, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मा, पर्यटन, रक्षा और एयरोस्पेस, हथकरघा और कपड़ा आदि। इस समारोह में देश के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि जिन प्रस्तावों पर आज हस्ताक्षर किए गए हैं, वे उत्तर प्रदेश में नई संभावनाएं पैदा करेंगे। ये प्रस्ताव उत्तर प्रदेश की विकास गाथा में बढ़ते विश्वास को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल हमारे लोकतांत्रिक भारत के पास एक भरोसेमंद साथी के मानदंडों को पूरा करने की शक्ति है, जिसकी तलाश आज दुनिया कर रही है। आज दुनिया भारत की क्षमता को देखने के साथ-साथ उसके प्रदर्शन की भी सराहना कर रही है।

> उत्तर प्रदेश के तेज विकास के लिए हमारी डबल इंजन सरकार अवसंरचना, निवेश और विनिर्माण पर मिलकर काम कर रही है

श्री मोदी ने बताया कि भारत जी20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और वैश्विक खुदरा सूचकांक में दूसरे नंबर पर है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है। पिछले साल दुनिया के 100 से ज्यादा देशों से रिकॉर्ड 84 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 417 अरब डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक के माल का निर्यात कर नया रिकॉर्ड बनाया है।

केंद्र में एनडीए सरकार के 8 साल पूरे होने का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हम रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म के मंत्र के साथ आगे बढ़े हैं। हमने नीतिगत स्थिरता, समन्वय, कारोबार में आसानी पर जोर दिया है।

2017 के बाद उत्तर प्रदेश में हुई प्रगति के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से विकास के लिए हमारी डबल इंजन सरकार अवसंरचना, निवेश और विनिर्माण पर एक साथ काम कर रही है। इस वर्ष के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का अभूतपूर्व आवंटन इसी दिशा में एक कदम है।

उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था की स्थिति से कारोबारी समुदाय में विश्वास मज़बूत हुआ है, उद्योग के लिए एक उचित माहौल बना है और राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार हुआ है। श्री मोदी ने कहा कि राज्य के एक संसद सदस्य के रूप में उन्होंने राज्य के प्रशासन और सरकार में उस क्षमता और संभावना को महसूस किया है, जिनकी देश उनसे अपेक्षा करता है।

उन्होंने राज्य मशीनरी की बदली हुई मनःस्थिति और कार्य-संस्कृति की सराहना की। उत्तर प्रदेश में देश की कुल आबादी का पांचवां या छठा हिस्सा रहता है, इसलिए देश के विकास पर इसका बहुत बड़ा असर पड़ता है। श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की अंतर्निहित शक्तियों का वर्णन करते हुए कहा कि राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने बताया कि इस साल के बजट में गंगा के दोनों किनारों पर 5 किलोमीटर के क्षेत्र के लिए रसायन मुक्त प्राकृतिक कृषि गलियारे की घोषणा की गई है। उत्तर प्रदेश में गंगा नदी का मार्ग 1100 किमी लम्बा है और यह 25-30 जिलों को कवर करती है। इससे प्राकृतिक खेती के बड़े अवसर पैदा होंगे। श्री मोदी ने कहा कि कॉरपोरेट जगत के लिए अब कृषि क्षेत्र में निवेश करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि पीएलआई योजनाओं और पूंजीगत व्यय के लिए 7.5 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से भी राज्य को लाभ होगा।

गौरतलब है कि यूपी निवेशक शिखर सम्मलेन 2018; 21-22 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया था, जिसमें पहला ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह 29 जुलाई, 2018 को और दूसरा ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह 28 जुलाई, 2019 को आयोजित किया गया था। ■

130 करोड़ भारतीय मेरा परिवार: नरेन्द्र मोदी

आज जन धन-आधार और मोबाइल (जेएएम) की त्रिमूर्ति के कारण पैसा सीधे लाभार्थी के जन धन बैंक खातों में पहुंच रहा है

गत 31 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में 'गरीब कल्याण सम्मेलन' को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह अनूठा सार्वजनिक कार्यक्रम देश भर में राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों में आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर श्री मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की 11वीं किस्त भी जारी की। इससे 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को करीब 21,000 करोड़ की राशि ट्रांसफर हो सकेगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने देश भर के (पीएम-किसान) के लाभार्थियों से भी बातचीत की। शिमला में इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री राजेन्द्र अर्लेकर, हिमाचल के मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर और

केन्द्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हमेशा खुद को 130 करोड़ नागरिकों के परिवार के सदस्य के रूप में देखते हैं न कि प्रधानमंत्री के रूप में। जब वह किसी फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं तब ही वह प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी लेते हैं। जैसे ही हस्ताक्षर का वह क्षण समाप्त होता है, उन्होंने कहा, "मैं अब प्रधानमंत्री नहीं रहा और आपके परिवार का सदस्य और 130 देशवासियों का प्रधान सेवक बन गया। अगर मैं देश के लिए कुछ कर पा रहा हूं तो 130 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और शुभकामनाओं के कारण ही संभव है।"

श्री मोदी ने कहा कि 130 करोड़ नागरिकों के मेरे परिवार की आशाओं और आकांक्षाओं से जुड़ना, यही मेरा परिवार है, आप लोग मेरे जीवन में सब कुछ हैं और यह जीवन भी आपके लिए है।

प्रधानमंत्री ने अफसोस जताया कि 2014 से पहले की सरकार ने भ्रष्टाचार को व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा मान लिया था, फिर भ्रष्टाचार से लड़ने के बजाय सरकार उसके आगे झुक गई, तब देश देख रहा था कि योजनाओं का पैसा जरूरतमंदों तक पहुंचने से पहले ही लूट लिया गया। उन्होंने कहा कि आज जन धन-आधार और मोबाइल (जेएएम) की त्रिमूर्ति के कारण पैसा सीधे लाभार्थी के जन धन बैंक खातों में पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले रसोई में धुंआ झेलने की मजबूरी थी, आज उज्ज्वला योजना से एलपीजी सिलेंडर लेने की सुविधा है। पहले खुले में शौच करने की शर्मनाक स्थिति थी, अब गरीबों के पास शौचालय की शान है। पहले इलाज के लिए पैसे जुटाने में लाचारी थी, आज हर गरीब को आयुष्मान भारत का सहारा है। श्री मोदी ने कहा कि पहले तीन तलाक का डर था, अब हक के लिए लड़ने की हिम्मत है।

उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं, सुशासन और गरीबों के कल्याण (सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण) ने लोगों के लिए सरकार के अर्थ को बदल दिया है। अब सरकार जनता के लिए काम कर रही है। चाहे पीएम आवास योजना हो, छात्रवृत्ति हो या पेंशन योजना, तकनीक की मदद से भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम से कम हुई है।

सशस्त्र बलों में हिमाचल के प्रत्येक परिवार के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह उनकी सरकार है जिसने चार दशकों के इंतजार के बाद 'वन रैंक वन पेंशन' लागू की और पूर्व सैनिकों को उनका बकाया राशि दी। हिमाचल के हर परिवार को बहुत फायदा हुआ है।

देश के बढ़ते कद पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने आज कहा कि भारत मजबूरी में दोस्ती का हाथ नहीं बढ़ाता, बल्कि मदद का हाथ बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी हमने 150 से अधिक देशों में दवाएं और टीके भेजे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। आज भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश हो रहा है, आज भारत निर्यात में भी रिकॉर्ड बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी को आगे आना चाहिए और अपने देश की प्रगति की यात्रा में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। ■

'क्वाड शिखर सम्मेलन' में भारत की सक्रिय व सफल भागीदारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा के आमंत्रण पर 23-24 मई, 2022 के बीच टोक्यो, जापान की सफल यात्रा की। इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान श्री मोदी ने क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लिया। साथ ही, उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ बिडेन, ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा से महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी कीं

समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत आर्थिक रूपरेखा पर विचार-विमर्श

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा के आमंत्रण पर 23 मई को टोक्यो, जापान पहुंचे। श्री मोदी ने इसी दिन टोक्यो में समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत आर्थिक रूपरेखा (इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी- आईपीईएफ) के बारे में चर्चा शुरू करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन और जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा भी शामिल हुए। इसके साथ-साथ अन्य भागीदारी देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के नेताओं की वर्चुअल उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया जिसमें आईपीईएफ में कल्पना किए गए प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डाला गया है। आईपीईएफ हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में लचीलापन, स्थिरता, समग्रता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से भागीदार देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत बनाना चाहता है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आईपीईएफ की घोषणा हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को वैश्विक आर्थिक प्रगति का वाहक बनाने के लिए सामूहिक इच्छा की घोषणा है।

टोक्यो में व्यापार गोलमेज सम्मेलन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 मई, 2022 को टोक्यो में जापानी व्यापार जगत की अग्रणी हस्तियों के साथ एक गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की। इस आयोजन में 34 जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों और सीईओ ने भाग लिया। इनमें से अधिकांश कंपनियों का भारत में निवेश और संचालन है। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और जापान स्वाभाविक साझेदार हैं, प्रधानमंत्री ने भारत-जापान संबंधों की अपार संभावनाओं के ब्रांड एंबेसडर के रूप में व्यापारिक समुदाय की सराहना की।

प्रवासी भारतीयों को संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 मई को जापान में 700 से अधिक प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया और उनके साथ बातचीत की। कार्यक्रम से पहले श्री मोदी ने जापानी इंडोलॉजिस्ट, खिलाड़ियों और सांस्कृतिक कलाकारों से मुलाकात की, जो भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक संबंधों और एक दूसरे के देश के लोगों की आवाजाही को बढ़ावा देने में योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जापान में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार विजेताओं से भी मुलाकात की। जापान में 40,000 से अधिक प्रवासी भारतीय हैं।

क्वाड शिखर सम्मेलन में भागीदारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मई, 2022 को जापान के टोक्यो में चार देशों के प्रमुखों (क्वाड लीडर्स) की शिखर बैठक में भाग लिया, जिसमें जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीस शामिल थे। चार देशों के प्रमुखों की यह दूसरी व्यक्तिगत बैठक थी, जबकि क्वाड की अब तक कुल चार बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। मार्च, 2021 में पहली वर्चुअल बैठक; सितंबर, 2021 में वाशिंगटन डीसी में शिखर बैठक और मार्च, 2022 में तीसरी वर्चुअल बैठक आयोजित की गयी थी।

राजनेताओं ने एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी भारत-प्रशांत क्षेत्र तथा संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने भारत-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों और यूरोप में संघर्ष पर अपने दृष्टिकोण साझा किये। श्री मोदी ने शत्रुता की समाप्ति, वार्ता और कूटनीति को फिर से शुरू करने की आवश्यकता पर भारत की सुसंगत व सैद्धांतिक स्थिति पर प्रकाश डाला। राजनेताओं ने वर्तमान में चल रहे क्वाड सहयोग और भविष्य के प्रति उनके दृष्टिकोण पर भी चर्चा की।

राजनेताओं ने आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी इच्छा दोहराई, छद्म आतंकवादियों के उपयोग की निंदा की और आतंकवादी

समूहों को किसी भी लॉजिस्टिक्स, वित्तीय या सैन्य सहायता से इनकार करने के महत्व पर जोर दिया, जिसका उपयोग सीमा पार के हमलों सहित आतंकवादी हमलों को शुरू करने या योजना बनाने के लिए किया जा सकता है।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में आपदाओं के खिलाफ अधिक प्रभावी और समय पर जबावी प्रतिक्रिया को सक्षम करने के लिए राजनेताओं द्वारा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) पर एक क्वाड पार्टनरशिप की घोषणा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी की जापान के प्रधानमंत्री के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मई को जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री श्री किशिदा ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के सम्मान में रात्रिभोज का भी आयोजन किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के साथ-साथ कुछ क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर सार्थक विचार-विमर्श किया।

दोनों नेताओं ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला और इस संबंध में अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकियों के विकास में दोनों पक्षों के निजी क्षेत्रों के बीच अधिक सहयोग को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए। उन्होंने 5जी, बियॉन्ड 5जी और सेमीकंडक्टर्स जैसी महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने हरित हाइड्रोजन सहित स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में गहरे सहयोग पर भी सहमति व्यक्त की तथा इस संबंध में दोनों देशों के व्यापारिक संस्थानों के बीच और अधिक पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित किया।

> भारत-अमेरिका व्यापक रणनीतिक वैश्विक साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है

अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन के साथ 24 मई को टोक्यो में मुलाकात की। दोनों नेता गर्मजोशी से मिले और उनके बीच उपयोगी बातचीत हुई। बैठक के ठोस परिणाम निकले जिससे द्विपक्षीय साझेदारी और गहरी होगी तथा उसे गति मिलेगी।

भारत-अमेरिका व्यापक रणनीतिक वैश्विक साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडा में सभी क्षेत्रों में हुई प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने निवेश प्रोत्साहन समझौते पर हस्ताक्षर होने का स्वागत किया जो यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन को साझा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों जैसे सम्पूर्ण स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, एसएमई, बुनियादी ढांचा आदि में भारत में निवेश सहायता प्रदान करना जारी रखने में सक्षम बनाता है।

दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका परिणामोन्मुखी सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों (आईसीईटी) पर पहल की शुरुआत की। भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और यू.एस. नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सह-नेतृत्व में आईसीईटी एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, 5जी/6जी, बायोटेक, अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की सरकारों के बीच शिक्षा और उद्योग में घनिष्ठ संबंध स्थापित होंगे।

यह देखते हुए कि रक्षा और सुरक्षा सहयोग भारत-अमेरिका द्विपक्षीय एजेंडा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, दोनों पक्षों ने चर्चा की कि वे सहयोग को और कैसे मजबूत कर सकते हैं। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत भारत में निर्माण करने के लिए अमेरिकी उद्योग को भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया, जो दोनों देशों के लिए परस्पर लाभकारी हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ विचार-विमर्श

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने टोक्यो में 24 मई को क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन के मौके पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीज के साथ एक द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा निर्माण, हरित हाइड्रोजन सहित अक्षय ऊर्जा ऊर्जा, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि अनुसंधान, खेल और जन-जन के बीच संबंधों सहित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत बहुआयामी सहयोग की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री की जापान-भारत संघ के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मई को टोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्रियों— श्री योशिरो मोरी और श्री शिंजो आबे से मुलाकात की। श्री योशिरो मोरी जापान-भारत संघ (जेआईए) के वर्तमान अध्यक्ष हैं, जबकि श्री शिंजो आबे शीघ्र ही इस भूमिका को संभालेंगे। 1903 में स्थापित जेआईए जापान के सबसे पुराने मैत्री संघों में से एक है।

नेताओं ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के व्यापक कैनवास के साथ-साथ शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए भारत और जापान के साझा दृष्टिकोण पर भी चर्चा की। सांस्कृतिक और जन-जन के बीच संबंधों को और बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की गई। ■

गरीब कल्याण की उपलब्धि हमारा लक्ष्य: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 31,500 करोड़ रुपये से अधिक की 11 परियोजनाओं का लोकार्पण किया और आधारशिला रखी

गत 26 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चेन्नई में 31,500 करोड़ रुपये से अधिक की 11 परियोजनाओं का लोकार्पण किया और आधारशिला रखी। ये परियोजनाएं क्षेत्र में अवंसरचना विकास में तेजी लायेंगी, संपर्कता बढ़ायेंगी और जीवन सुगमता को गति देंगी। इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर.एन. रवि, मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन, केंद्रीय मंत्री श्री एल. मुरुगन और अन्य लोग उपस्थित थे।

उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि तमिल भाषा शाश्वत है और तमिल संस्कृति वैश्विक है। चेन्नई से कनाडा तक, मदुरै से मलेशिया तक, नामाक्कल से न्यूयॉर्क तक, सलेम से दक्षिण अफ्रीका तक पोंगल और पुथांडु जैसे त्योहारों को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

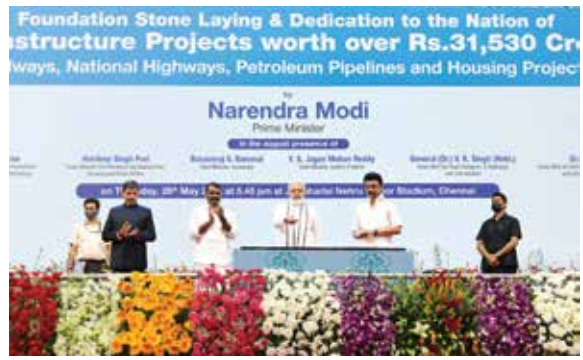

श्री मोदी ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास हो रहा है, उनमें सड़क संपर्कता पर जोर स्पष्ट नजर आ रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह सीधे आर्थिक समृद्धि से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेस-वे दो प्रमुख केंद्रों को जोड़ेगा तथा चेन्नई बंदरगाह से मदुरावोयाल को जोड़ने वाली डबल-डेकर एलीवेटेड सड़क से चेन्नई बंदरगाह की कार्यक्षमता बढ़ेगी और शहर में भीड़-भाड़ कम होगी। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिकीकरण और विकास किया जा रहा है। साथ ही, यह स्थानीय कला और संस्कृति में घुल-मिल जायेगा।

> कुछ वर्षों पहले अवसंरचना का अर्थ सड़कें, बिजली और पानी होता था। आज हम भारत के गैस पाइपलाइन नेटवर्क को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। आई-वेज़ पर काम चल रहा है। हर गांव तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना हमारी परिकल्पना है

उन्होंने कहा कि मदुरै-टेनी रेलवे आमान परिवर्तन परियोजना से किसानों को सहायता मिलेगी, क्योंकि तब उन्हें नये बाजार मिलेंगे। श्री मोदी ने उल्लेख किया कि मल्टी-नोडल लॉजिस्टिक पार्क हमारे देश के माल आवागमन के इको-सिस्टम में बड़ा बदलाव लायेंगे। विभिन्न सेक्टरों में फैली इनमें से हर परियोजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी और हमारे आत्मनिर्भर होने के संकल्प को पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि इतिहास ने हमें सिखाया है कि जो राष्ट्र अवसंरचना को सर्वोच्च महत्त्व देते हैं, वे राष्ट्र निश्चित रूप से विकासशील देश से विकसित देश की श्रेणी में पहुंच जाते हैं। भौतिक और तटीय अवसंरचना, दोनों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार सर्वश्रेष्ठ और सतत अवसंरचना निर्माण पर पूरा ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य गरीब कल्याण की उपलब्धि है। सामाजिक अवसंरचना पर हमारे जोर देने से 'सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर हमारी आस्था स्पष्ट होती है। श्री मोदी ने कहा उनकी सरकार प्रमुख योजनाओं के संदर्भ में उन्हें परिपूर्णता तक ले जाने के लिये काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि कोई भी सेक्टर ले लीजिये— शौचालय, आवास, वित्तीय समावेश... हम परिपूर्णता के लिये काम कर रहे हैं। जब यह पूरा हो जायेगा, तब इसके दायरे से किसी के बाहर रह जाने की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी।

श्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक रूप से अवसंचरना से जो समझा जाता था, उनकी सरकार उससे आगे बढ़कर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों पहले अवसंरचना का अर्थ सड़कें, बिजली और पानी होता था। आज हम भारत के गैस पाइपलाइन नेटवर्क को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। आई-वेज़ पर काम चल रहा है। हर गांव तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना हमारी परिकल्पना है।

श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि भारत सरकार तमिल भाषा और संस्कृति को और लोकप्रिय बनाने के लिये पूरी तरह संकल्पित है। इस वर्ष जनवरी में चेन्नई में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल के नये परिसर का उद्घाटन हुआ। यह नया परिसर पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में तमिल अध्ययन के संदर्भ में 'सुब्रमण्य भारती पीठ' की घोषणा की गई है।

प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हमारे स्वंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों को पूरा करने के लिये देश के सामूहिक संकल्प को दोहराते हुए अपनी बात पूरी की। ■

'भाजपा की विचारधारा और मोदी सरकार की उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराएं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 जून, 2022 को आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि हम जब भी शक्ति केन्द्र की बात करते हैं तो संगठन की गहराइयों पर बात करनी होगी। हमें राष्ट्र के विकास का वाहक बनना होगा। देश में उठने वाले हर प्रश्न का उत्तर देने वाला व्यक्ति बनना होगा और देश को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए खुद को आहुत करना होगा। सबका साथ हो, सबका विकास हो और सबका विश्वास हो, इसकी सिद्धि के लिए सबको एकजुट हो प्रयास करना होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में राजनीति की संस्कृति बदल रहे हैं और हम सबको इस परिवर्तन का वाहक बनना होगा।

श्री नड्डा ने संगठन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप सब शक्ति केंद्र के प्रमुख हैं। मुझे बताया गया है कि 10 हजार से ज्यादा शक्ति केंद्र हैं और 6 हजार से अधिक शक्ति केंद्रों पर हमने नियुक्तियां कर भी दी हैं। विश्वास है कि शेष 4 हजार शक्ति केंद्रों पर भी आप अगले 2 महीनों में नियुक्तियां हो जाएंगी। हर शक्ति केन्द्र पर चार से पांच बूथ आते हैं। देश में 10.40 लाख बूथ हैं और यहां लगभग 46 हजार बूथ हैं। हमें उन सभी 46 हजार बूथों तक पहुंचना है। शक्ति केन्द्र के प्रमुख सबसे पहले पांचों बूथों पर बैठक कर कार्यकर्ताओं को जोड़ने का प्रयास करें। सभी जाति एवं समुदाय के लोगों को कार्यकर्ता के रूप में जोड़ें। शक्ति केन्द्र समिति को सर्वस्पर्शी एवं समावेशी समिति बनाने के उद्देश्य से दलित, सवर्ण, पिछड़ा-अगड़ा, महिला, युवा, मुस्लिम, ईसाई- सभी लोगों को शक्ति केंद्र समिति का सदस्य बनाने का प्रयास किया जाए।

> **हर शक्ति केन्द्र पर चार से पांच बूथ आते हैं। देश में 10.40 लाख बूथ हैं और यहां लगभग 46 हजार बूथ हैं। हमें उन सभी 46 हजार बूथों तक पहुंचना है। शक्ति केन्द्र के प्रमुख सबसे पहले पांचों बूथों पर बैठक कर कार्यकर्ताओं को जोड़ने का प्रयास करें**

उन्होंने कहा कि हर बूथ की बैठक में स्थानीय समस्याओं पर चर्चा हो। मोदीजी के 'आठ साल बेमिसाल' पुस्तिका का अध्ययन कर बूथों पर इस बात की चर्चा की जाए कि मोदीजी ने आंध्रप्रदेश को अब तक क्या क्या दिया है।

श्री नड्डा ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्रीजी के मन की बात का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को 46 हजार बूथों पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सामूहिक रूप से सुनना और उस दिन दोपहर का भोजन साथ मिलकर करना है। साथ ही, हरेक कार्यकर्ता के घर पर भाजपा का झंडा लगे इस बात का भी ध्यान रखना है। हमारा अस्तित्व कमल के बिना नहीं है। कमल है तो हम है। कमल है तो भारतीय जनता पार्टी है। कमल है तो विचारधारा है। सभी लोग अपने घरों पर कमल का झंडा लगाए। लोगों के घरों पर जाकर कमल का स्टीकर लगाएं। घर-घर जाकर जनसंपर्क करें और लोगों से बातचीत कर अनुमति के बाद ही कमल का स्टीकर लगाएं। विचारधारा को मजबूत बनाने के लिए यह प्रण लिया जाए कि प्रतिदिन पांच नए लोगों से मिलकर उन्हें भारतीय जनता पार्टी की विचारधार से अवगत कराएं। बहने संकल्प लें कि प्रतिदिन पांच नई बहनों से बातचीत कर भाजपा की विचारधारा और मोदी सरकार की योजनाएं और उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराएं।

उन्होंने कहा कि 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीजी का बलिदान दिवस है, 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्यायजी का जन्म दिवस है और 6 दिसम्बर को डॉ. अम्बेडकरजी की पुण्यतिथि है। 23 जून को 46 हजार बूथों पर जयंती मनाने के आयोजन की तैयारी आप सभी कार्यकर्ता करें।

श्री नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसके पास नेता है, नीति है, नीति है, नियत है, कार्यक्रम है, कार्यकर्ता है और वातावरण भी है। देश में अन्य सभी राजनीतिक दलों के पास अगर नेता है तो नियत नहीं, नियत है तो नीति नहीं, नीति है तो कार्यक्रम नहीं और अगर कार्यक्रम है तो कार्यकर्ता नहीं। भारतीय जनता पार्टी के पास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसा विश्वनीय नेतृत्व है और कुशल नेताओं की श्रृंखला भी, इसलिए हम सौभाग्यशाली हैं। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' लेकर चल पड़े हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि आज हमें गर्व है कि आंध्र प्रदेश के रहने वाले वैंकया नायडूजी देश के उपराष्ट्रपाति हैं। हमने लोकसभा में दो से 302 तक की यात्रा की है। इन दो सीट में एक सीट आंध्रा की थी। जंगा रेडडजी को आपने भाजपा के टिकट पर जीताकर लोकसभा भेजा था। आप तो विपत्ति काल के साथी हैं। ■

भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का शुभारंभ

आज हम टेक्नोलॉजी को सबसे पहले आम लोगों को उपलब्ध करा रहे हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 मई को भारत के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव— भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का उद्घाटन किया। उन्होंने किसान ड्रोन पायलटों के साथ भी बातचीत की, खुले में ड्रोन प्रदर्शन देखे और ड्रोन प्रदर्शनी केंद्र में स्टार्टअप्स करने वालों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, श्री गिरिराज सिंह, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, श्री अश्विनी वैष्णव, श्री मनसुख मांडविया, श्री भूपेंद्र यादव, कई राज्य मंत्री और नेतागण के साथ-साथ ड्रोन उद्योग से जुड़े उद्यमी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने 150 ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट भी दिए।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने ड्रोन क्षेत्र में अपने आकर्षण और रुचि से अवगत कराते हुए कहा कि वे ड्रोन प्रदर्शनी और उद्यमियों की भावना व क्षेत्र में नवाचार से बहुत प्रभावित थे। श्री मोदी ने किसानों और युवा इंजीनियरों के साथ अपनी बातचीत के बारे में भी बताया।

> आज हम टेक्नोलॉजी को सबसे पहले आम लोगों को उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ महीने पहले तक ड्रोन पर बहुत सारे रिस्ट्रिक्शंस थे। हमने बहुत ही कम समय में अधिकतर रिस्ट्रिक्शंस को हटा दिया है

उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नॉलॉजी को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वो अद्भुत है। ये जो ऊर्जा नज़र आ रही है, वो भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। श्री मोदी ने कहा कि ये भारत में एंप्लॉयमेंट जेनरेशन के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है।

उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी कैसे एक बड़ी क्रांति का आधार बन रही है, इसका एक उदाहरण पीएम स्वामित्व योजना भी है। इस योजना के तहत पहली बार देश के गांवों की हर प्रॉपर्टी की डिजिटल मैपिंग की जा रही है, डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड लोगों को दिए जा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना सुशासन और जीवन को आसान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का एक और माध्यम है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के रूप में हमारे पास एक स्मार्ट टूल है जो आम लोगों के जीवन का हिस्सा बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने रक्षा, आपदा प्रबंधन, कृषि, पर्यटन, फिल्म और मनोरंजन के क्षेत्र में ड्रोन प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस तकनीक का इस्तेमाल बढ़ना तय है। श्री मोदी ने प्रगति की समीक्षाओं और केदारनाथ परियोजनाओं के उदाहरणों के माध्यम से अपने आधिकारिक निर्णय लेने में ड्रोन के इस्तेमाल के बारे में भी बताया।

श्री मोदी ने कहा कि ड्रोन तकनीक किसानों को सशक्त बनाने और उनके जीवन को आधुनिक बनाने में प्रमुख भूमिका निभाने जा रही है, क्योंकि जैसे-जैसे गांवों में सड़क, बिजली, ऑप्टिकल फाइबर और डिजिटल तकनीक का आगमन हो रहा है। इसके बावजूद भी कृषि कार्य पुराने तरीकों से किए जा रहे हैं, जिससे परेशानी, कम उत्पादकता और अपव्यय हो रहा है।

उन्होंने भू-अभिलेखों से लेकर बाढ़ और सूखा राहत तक की गतिविधियों के संबंध में राजस्व विभाग पर निरंतर निर्भरता के बारे में भी बात की। श्री मोदी ने कहा कि इन सभी मुद्दों से निपटने के लिए ड्रोन एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्रों की मदद के लिए किए गए उपायों ने सुनिश्चित किया है कि प्रौद्योगिकी अब किसानों के लिए डराने वाली नहीं है।

श्री मोदी ने कहा कि पहले के समय में टेक्नोलॉजी और उससे हुए इन्वेंशन, एलीट क्लास के लिए माने जाते थे। उन्होंने कहा कि आज हम टेक्नोलॉजी को सबसे पहले आम लोगों को उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ महीने पहले तक ड्रोन पर बहुत सारे रिस्ट्रिक्शंस थे। हमने बहुत ही कम समय में अधिकतर रिस्ट्रिक्शंस को हटा दिया है। हम पीएलआई जैसी स्कीम्स के जरिए भारत में ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग का एक सशक्त इको-सिस्टम बनाने की तरफ भी बढ़ रहे हैं। ■

संकट की इस घड़ी में 'मां भारती' आप सभी बच्चों के साथ हैं: नरेन्द्र मोदी

गत 30 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना (स्कीम) के तहत लाभ जारी किए। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों में केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, मंत्रिमंडल के कई अन्य सदस्य और मुख्यमंत्री शामिल थे।

उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने उन बच्चों के जीवन में आ रही कठिनाइयों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की, जिन्होंने कोरोना के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। "हर दिन का संघर्ष और हर दिन की चुनौतियां। आज जो बच्चे हमारे साथ हैं और जिनके लिए यह कार्यक्रम हो रहा है, उनके दर्द को शब्दों में बयान करना मुश्किल है।" उन्होंने बच्चों से कहा कि वह प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य के तौर पर बोल रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इन परिस्थितियों में 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' ऐसे कोरोना प्रभावित बच्चों की मुश्किलों को कम करने का एक छोटा सा प्रयास है, जिन्होंने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन इस बात का भी प्रतिबिंब है कि हर देशवासी पूरी संवेदनशीलता से आपके साथ है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि अगर किसी को व्यावसायिक पाठ्यक्रम (प्रोफेशनल कोर्स) या उच्च शिक्षा के लिए शैक्षणिक ऋण (एजुकेशन लोन) की जरूरत है तो उसमें भी पीएम केयर्स मदद करेगा। अन्य दैनिक जरूरतों के लिए भी अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए हर माह 4 हजार रुपये की व्यवस्था की गई है। 23 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 10 लाख रुपये के

'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' ऐसे कोरोना प्रभावित बच्चों की मुश्किलों को कम करने का एक छोटा सा प्रयास है, जिन्होंने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन इस बात का भी प्रतिबिंब है कि हर देशवासी पूरी संवेदनशीलता से आपके साथ है

अलावा मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक मदद के लिए बच्चों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य बीमा और संवाद हेल्पलाइन के माध्यम से भावनात्मक परामर्श भी दिया जाएगा।

श्री मोदी ने महामारी के सबसे दर्दनाक प्रभाव का इतनी बहादुरी से सामना करने के लिए बच्चों को सलाम किया और कहा कि माता-पिता के प्यार की भरपाई कोई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में मां भारती आप सभी बच्चों के साथ हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के जरिए देश अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश कर रहा है। श्री मोदी ने महामारी के दौरान मानवीय करुणा के उन उदाहरणों को याद किया, जब विशेष रूप से लोगों ने प्रभावित लोगों के कल्याण में किस प्रकार अपना योगदान दिया था।

उन्होंने कहा कि इस कोष ने कोरोना काल में अस्पतालों को तैयार करने, वेंटिलेटर खरीदने और ऑक्सीजन प्लांट लगाने में भी काफी मदद की। इससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी और कई परिवारों का भविष्य बचाया जा सका।

श्री मोदी ने कहा कि निराशा के अंधकारमय वातावरण में भी यदि हम स्वयं पर विश्वास करें तो प्रकाश की एक किरण अवश्य दिखाई देती है। उन्होंने हमारे अपने देश को ही इसका सबसे बड़ा उदाहरण बताया।

श्री मोदी ने बच्चों को सलाह दी कि वे निराशा को हार में न बदलने दें। उन्होंने उनसे अपने बड़ों और अपने शिक्षकों की सुनने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि इस कठिन समय में अच्छी किताबें ही उनकी विश्वसनीय दोस्त बन सकती हैं। श्री मोदी ने बच्चों से रोग मुक्त रहने के लिए खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट में शामिल होकर नेतृत्व करने के लिए भी कहा। उन्होंने उनसे उन्हें योग दिवस में भी भाग लेने के लिए कहा। ■

'मिशन लाइफ अतीत से सीखता है, वर्तमान में संचालित होता है और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करता है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक वैश्विक पहल 'लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट- लाइफ मूवमेंट' की शुरुआत की। यह लॉन्च दुनिया भर के लोगों, समुदायों और संगठनों को पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन-शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के मकसद से किया गया है। शिक्षाविदों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों आदि से विचारों और सुझावों को आमंत्रित करने के लिए 'लाइफ ग्लोबल कॉल फॉर पेपर्स' की शुरुआत भी की गई है।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस वैश्विक पहल 'लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट- लाइफ मूवमेंट' के शुभारंभ के लिए एक उपयुक्त दिन है। उन्होंने कहा कि मानव-केंद्रित, सामूहिक प्रयासों और सतत विकास को आगे बढ़ाने वाली मजबूत कार्रवाई का उपयोग हमारे ग्रह के सामने आने वाली चुनौती को हल करने के लिए यह सही समय है।

> रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल हमारे जीवन की जरूरी अवधारणाएं हैं। सर्कुलर इकोनॉमी हमारी संस्कृति और जीवन-शैली का एक अभिन्न अंग रही है

श्री मोदी ने यह भी याद दिलाया कि यह वैश्विक पहल उनके द्वारा पिछले साल सीओपी26 में प्रस्तावित की गई थी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का दृष्टिकोण एक ऐसी जीवन-शैली जीना है जो हमारे ग्रह के अनुरूप हो और इसे नुकसान न पहुंचाए और ऐसी जीवन-शैली जीने वालों को 'प्रो-प्लैनेट पीपल' कहा जाता है। मिशन लाइफ अतीत से सीख लेता है, वर्तमान में संचालित होता है और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करता है। 'रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल' हमारे जीवन में बुनी गई अवधारणाएं हैं। सर्कुलर इकोनॉमी हमारी संस्कृति और जीवन-शैली का एक अभिन्न अंग रही है।

श्री मोदी ने कहा कि देश में 1.3 अरब भारतीयों की बदौलत वह देश में पर्यावरण के लिए कई अच्छे काम कर पाए। उन्होंने कहा कि भारत का वन क्षेत्र बढ़ रहा है और शेरों, बाघों, तेंदुओं, हाथियों तथा गैंडों की आबादी भी बढ़ रही है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से स्थापित विद्युत क्षमता के 40 प्रतिशत तक पहुंचने की भारत की प्रतिबद्धता निर्धारित समय से 9 साल पहले हासिल कर ली गई है। पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य नवंबर, 2022 के लक्ष्य से 5 महीने पहले हासिल कर लिया गया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि 2013-14 में सम्मिश्रण मुश्किल से 1.5 प्रतिशत और 2019-20 में 5 प्रतिशत था।

उन्होंने कहा कि सरकार में अक्षय ऊर्जा का बहुत अधिक ध्यान है और आगे का रास्ता नवाचार और खुलेपन से जुड़ा हुआ है। जब तकनीक और परंपरा का मेल होता है तो ये जीवन के दृष्टिकोण को और आगे ले जाता है।

कार्यक्रम में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष श्री बिल गेट्स की भागीदारी भी देखी गई। इनके अलावा लॉर्ड निकोलस स्टर्न, जलवायु अर्थशास्त्री; नज थ्योरी के लेखक प्रो. कैस सनस्टीन; श्री अनिरुद्ध दासगुप्ता, सीईओ और विश्व संसाधन संस्थान के अध्यक्ष; सुश्री इंगर एंडरसन, यूएनईपी ग्लोबल हेड; श्री अचिम स्टेनर, यूएनडीपी ग्लोबल हेड और श्री डेविड मलपास, विश्व बैंक के अध्यक्ष और अन्य लोग भी इसमें शामिल हुए। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव और नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत भी उपस्थित थे।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष श्री बिल गेट्स ने कहा कि वह भारत के नेतृत्व और बढ़ते उत्सर्जन को रोकने के प्रयासों से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि मैं लाइफ अभियान और सामूहिक कार्रवाई की पूरी शक्ति को आकर्षित करने की इसकी क्षमता के बारे में जानने के लिए उत्साहित हूं।

नज थ्योरी के लेखक प्रो. कैस सनस्टीन ने कहा कि भारत और प्रधानमंत्री पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन और मानव व्यवहार के मामले में वर्ल्ड लीडर रहे हैं और हममें से कई लोग प्रेरणा तथा विचारों के लिए भारत की ओर देख रहे हैं।

यूएनडीपी के ग्लोबल हेड श्री अचिम स्टेनर ने कहा कि भारत जैसे देश विश्व मंच पर निर्णायक जलवायु कार्रवाई के पीछे काइनेटिक एनर्जी के रूप में काम कर रहे हैं। ■

हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44 पिछले साल बने: नरेन्द्र मोदी

आज भारत का स्टार्ट-अप इकोसिस्टम सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों से भी उद्यमी सामने आ रहे हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 मई को 'मन की बात' की 89वीं कड़ी में देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 पंहुचने पर खुशी व्यक्त की और साथ ही तीर्थ क्षेत्रों की गरिमा बनाए रखने के लिए लोगों से अपील भी की। श्री मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले देश ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जो हम सभी को प्रेरणा देती है। भारत के सामर्थ्य के प्रति एक नया विश्वास जगाती है।

उन्होंने कहा कि इस महीने 5 तारीख को देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई है और आपको तो पता ही है कि एक यूनिकॉर्न यानी, कम-से-कम साढ़े सात हज़ार करोड़ रुपये का स्टार्ट-अप। इन यूनिकॉर्न्स का कुल मूल्य 330 अरब डॉलर यानी, 25 लाख करोड़ रुपयों से भी ज्यादा है। निश्चित रूप से ये बात हर भारतीय के लिए गर्व करने वाली बात है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44 पिछले साल बने थे। इतना ही नहीं, इस वर्ष के 3-4 महीने में ही 14 और नए यूनिकॉर्न बन गए। इसका मतलब यह हुआ कि वैश्विक महामारी के इस दौर में भी हमारे Start-Ups, wealth और value, create करते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंडियन यूनिकॉर्न्स की औसत वार्षिक वृद्धि दर यूएसए, यूके और अन्य कई देशों से भी ज्यादा है। विश्लेषकों का तो ये भी कहना है कि आने वाले वर्षों में इस संख्या में तेज उछाल देखने को मिलेगी। एक अच्छी बात ये भी है कि हमारे यूनिकॉर्न्स विभिन्न क्षेत्रों के हैं। ये ई-कॉमर्स, फिन-टेक, Ed-Tech, बायो-टेक जैसे कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज भारत का स्टार्ट-अप इकोसिस्टम सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों से भी उद्यमी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की इस सफलता के पीछे देश की युवा-शक्ति, देश की प्रतिभा और सरकार सभी मिलकर के प्रयास कर रहे हैं, हर किसी का योगदान है, लेकिन इसमें एक और बात महत्वपूर्ण है, वो है स्टार्ट-अप वर्ल्ड में सही मार्गदर्शन। एक अच्छा मार्गदर्शक स्टार्ट-अप को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।

पर्यावरण को लेकर हमें अपने आस-पास के सकारात्मक अभियान चलाने चाहिए और ये निरंतर करने वाला काम है। आप इस बार सबको साथ जोड़कर स्वच्छता और वृक्षारोपण के लिए कुछ प्रयास ज़रूर करें। आप खुद भी पेड़ लगाइये और दूसरों को भी प्रेरित करिए

जहां कही भी जाएं, तीर्थ क्षेत्रों की गरिमा बनी रहे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस समय हमारे देश में उत्तराखण्ड के 'चार-धाम' की पवित्र यात्रा चल रही है। 'चार-धाम' और खासकर केदारनाथ में हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंच रहे हैं। लोग अपनी 'चार-धाम यात्रा' के सुखद अनुभव साझा कर रहे हैं, लेकिन मैंने ये भी देखा कि श्रद्धालु केदारनाथ में कुछ यात्रियों द्वारा फैलाई जा रही गन्दगी की वजह से बहुत दुःखी भी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हम पवित्र यात्रा में जायें और वहां गन्दगी का ढ़ेर हो, ये ठीक नहीं। लेकिन इन शिकायतों के बीच कई अच्छी तस्वीरें भी देखने को मिल रही हैं। जहां श्रद्धा है, वहां सृजन और सकारात्मकता भी है। कई श्रद्धालु ऐसे भी हैं जो बाबा केदार के धाम में दर्शन-पूजन के साथ-साथ स्वच्छता की साधना भी कर रहे हैं। कोई अपने ठहरने के स्थान के पास सफाई कर रहा है, तो कोई यात्रा मार्ग से कूड़ा-कचरा साफ कर रहा है। स्वच्छ भारत की अभियान टीम के साथ मिलकर कई संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन भी वहां काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम जहां कही भी जाएं, इन तीर्थ क्षेत्रों की गरिमा बनी रहे। शुचिता, साफ़-सफाई, एक पवित्र वातावरण हमें इसे कभी नहीं भूलना है, उसे ज़रूर बनाए रखें और इसीलिए ज़रूरी है कि हम स्वच्छता के संकल्प को याद रखें।

श्री मोदी ने कहा कि कुछ दिन बाद ही 5 जून को विश्व 'पर्यावरण दिवस' के रूप में मनाता है। पर्यावरण को लेकर हमें अपने आस-पास के सकारात्मक अभियान चलाने चाहिए और ये निरंतर करने वाला काम है। आप इस बार सबको साथ जोड़कर स्वच्छता और वृक्षारोपण के लिए कुछ प्रयास ज़रूर करें। आप खुद भी पेड़ लगाइये और दूसरों को भी प्रेरित करिए। ■

'समग्र जनजातीय समाज के विकास का ख़ाका खींचने का काम ये अनुसंधान संस्थान करेगा'

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सात जून को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री श्री किरेन रिजीजू, जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरुता और जनजातीय कार्य एवं जलशक्ति राज्यमंत्री श्री विश्वेश्वर टुडु सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना के अनुसार आज ये राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान अस्तित्व में आ रहा है।

श्री शाह ने कहा कि ये संस्थान विभिन्न विषयों पर अनुसंधान और उनका मूल्यांकन करेगा, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और अन्य संस्थानों का क्षमता निर्माण करेगा, डेटा संग्रह भी करेगा और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अच्छी बातों का प्रचार-प्रसार भी करेगा। जनजातीय त्यौहारों को उनकी मूल भावना को संजोए रखते हुए आधुनिक स्वरूप देकर लोकप्रिय बनाने का काम भी

करेगा। मोदी जी द्वारा कल्पित जनजातीय संग्रहालयों की विविधता, रखरखाव पर भी काम करेगा। एक प्रकार से समग्र जनजातीय समाज के विकास का ख़ाका खींचने का काम ये अनुसंधान संस्थान करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुरुआत से ही अनुसंधान संस्थान और जनशिक्षा पर बहुत बल दिया है। पिछली सरकार के समय वर्ष 2014 में इसके लिए बजट सात करोड़ रुपए था, जिसे 2022 के बजट में बढ़ाकर 150 करोड़ रुपए कर दिया गया। श्री शाह ने कहा कि स्वीकृत ट्राईबल रिसर्च इंस्टिट्यूट की संख्या में भी बहुत बढ़ोतरी करके 27 बनाए गए हैं। 49 प्रतिष्ठान आज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में सर्टिफाइड हैं। ■

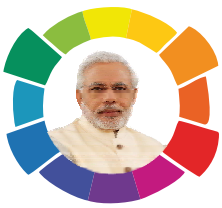

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

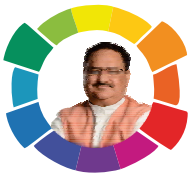

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 'भारत ड्रोन महोत्सव' के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के भाग के रूप में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर 1, 2, 5, 10 और 20 रुपये के सिक्कों की एक विशेष शृंखला जारी करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

टोक्यो (जापान) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा

टोक्यो (जापान) में 'क्वाड फेलोशिप' के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

टोक्यो (जापान) में भारतीय समुदाय से बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**

36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23

Licence to Post without Prepayment

Licence No. U(S)-41/2021-23

आवरण: अजय कुमार सिंह